दैनिक
भीम प्रज्ञा

PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-25 Valid up to 31 dec. 2025

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-18 | झुंझुनू (राजस्थान) | सोमवार, 8 दिसंबर, 2025 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

भीम प्रज्ञा अलर्ट

'रिश्तों में मजबूती शब्दों से नहीं, नीयत से आती है। जहां नीयत साफ हो, वहां छोटी-छोटी गलतफहमियां भी मिट जाती है और जहां नीयत मैली हो, वहां सौ स्पष्टीकरण भी रिश्ते नहीं बचा पाते। '

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए

हेल्पलाइन - 9983040937

Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

'राजस्थान में भ्रष्टाचार का नंबर वन का दुश्मन हूं':किरोड़ी

बोले- मुझे लोग रोज गाली देते हैं, हाथी रुकने वाला नहीं; तुम पूंछ नहीं पकड़ सकते

भीम प्रज्ञा न्यूज

दौसा । कृषि मंत्री डॉ.किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- राजस्थान में भ्रष्टाचार का नंबर वन का दुश्मन हूं, कोई भ्रष्टाचारी परेशान करे तो मुझे नाम बताना, इलाज करना मेरी जिम्मेदारी है। मुझे लोग रोज गाली देते हैं, हाथी के पीछे कुत्ते भौंकते रहते हैं और भौंको, हाथी रुकने वाला नहीं है। तूम पूंछ भी नहीं पकड़ सकते। मैंने आप सबकी सेवा का संकल्प लिया है, इससे पीछे हटने वाला नहीं हूं।

इस दौरान किरोड़ी ने कहा- अभी तो मैं उप भी नहीं बना हूं। कुछ करने लायक तो बनूं।किरोड़ीलाल मीणा और उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा दौसा के महवा में जाटव समाज के कार्यक्रम में पहुंचे थे।

इस दौरान कृषि मंत्री ने कहा- दौसा सांसद मुरारी लाल मीणा का नाम न लेते हुए कहा- एक बंदे को लोकसभा चुनाव 2 लाख 45 हजार से जिताया, लेकिन चुनाव के बाद सांसद एक बार भी आपके बीच आया हो तो बताओ।

किरोड़ी ने कहा- मैं कोई टाटा-बिरला, अंबानी-अडाणी जैसा पैसे वाला तो नहीं हूं, लेकिन घर वालों ने किरोड़ीलाल नाम रख दिया तो 10-20 करोड़ तो हो ही सकते हैं। पिछले 40 साल में राजनीति में हूं तो यह नहीं कि भ्रष्टाचार से पैसे कमाऊं। पिछले में राज में हुई घटनाओं का विरोध करता था, अभी सरकार में हूं तो सबकी मदद करना मेरी जिम्मेदारी है।

'अंगूठा छाप पत्नी गोलमा देवी को विधायक और मंत्री बनवा दिया'

किरोड़ी ने कहा- राजनीति में सीधा-सरल स्वभाव का मेरा भतीजा राजेन्द्र आपके बीच घूमता रहता है, आपके आशीर्वाद से चल रहा है। मैं भी कोई टेढ़ा नहीं, सीधा आदमी ही हूं। हम जनता की सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे। मैं 1980 में पहला चुनाव 16 वोट से हार गया, 1985 में लड़े तो चुनाव जीता दिया। ऐसा कोई सौभाग्यशाली ही हो सकता है, जो मेरी अंगूठा छाप पत्नी गोलमा देवी को विधायक और मंत्री बनवा दिया। इसका एहसान पूरी जिंदगी भर नहीं भूल सकता।

किरोड़ी ने कहा- क्षेत्र का विकास कराना मेरी और प्रेमचंद बैरवा की जिम्मेदारी है। इस दौरान भीड़ ने कोई मांग रखी तो किरोड़ी ने कहा अभी तो मैं उप भी नहीं बना। कुछ करने लायक तो बनूं। लेकिन आपको ढोंग करने वालों से सावधान रहना होगा।

मुझे बहुत लोग रोज गाली देते हैं और महवा से सबसे ज्यादा गाली दी जाती है। गाली से गूमड़े (फोड़े) नहीं होते, मैं सुनता रहता हूं। हाथी के पीछे कुत्ते भौंकते रहते हैं और भौंको, हाथी रुकने वाला नहीं है। तुम पूंछ भी नहीं पकड़ सकते। मैंने आप सबकी सेवा का संकल्प लिया है, इससे पीछे हटने वाला नहीं हूं। कांग्रेस डरा-धमकाकर मौज-मस्ती और पैसा कमाने के लिए सत्ता में आना चाहती है।

अब तक कितनों को मार दिया, बताओ

मंत्री किरोड़ी ने कहा- डॉ. अम्बेडकर ने देश का सबसे बड़ा संविधान नहीं बनाया होता तो मैं और उपमुख्यमंत्री बैरवा चीफ गेस्ट बनने की स्थिति में नहीं थे। संविधान की लाइन पर चलते हुए अफसर और डिप्टी सीएम जैसे नेता बने। कांग्रेस के लोग मुसलमानों को डराते हैं कि मोदी आ गया तो मार देंगे। अब तक कितनों को मार दिया बताओ।

ये लोग डरा-धमकाकर मौज-मस्ती और पैसा कमाने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं। यदि आप पर कोई आंच आएगी तो हम प्राण न्योछावर कर देंगे। कांग्रेस ने बिहार में वोट चोरी का हल्ला मचाया, लेकिन जनता सब समझती है, जिसने नरेन्द्र मोदी को वोट दिया।

भाजपा ने अम्बेडकर को भारत रत्न दिया

उन्होंने कहा- पंडित जवाहरलाल नेहरु ने डॉ. अम्बेडकर को चुनाव हरवा कर राजनीतिक साजिश की, नेहरू ने तो आरक्षण का भी विरोध था। मैं किसी पार्टी के खिलाफ बहका नहीं रहा, सच्चाई बता रहा हूं। नरेन्द्र मोदी ने अम्बेडकर के पंच तीर्थ बनवाए। लोकसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने आरक्षण खत्म करने और संविधान बदलने का भ्रम फैलाया।

उन्होंने कहा कि किसी के बहकावे में मत आओ, अम्बेडकर की प्रतिमा यहां ही नहीं पूरे देश में लगी हुई हैं। संसद भवन में अटल बिहारी वाजपेयी और वीपी सिंह ने अम्बेडकर की प्रतिमा लगवाई और भारत रत्न दिया। यह काम तो कांग्रेस पार्टी भी कर सकती थी, लेकिन नहीं किया। कांग्रेस हमारी कोई माई-बाप नहीं है, अम्बेडकर के संविधान से देश चल रहा है।

उन्होंने कहा- भाजपा ने अर्जुन मेघवाल को कानून मंत्री और डॉ. प्रेमचंद बैरवा को डिप्टी सीएम बनाया, जबकि ये दूसरी बार विधायक बने हैं और मैं छठी बार विधायक हूं। मैंने कह दिया था कि मेरा जवान भाई आगे रहना चाहिए, मैं इनके पीछे हूं, कंधे से कंधा मिलाकर साथ चलूंगा। जब इनको योजनाबद्ध तरीके से बदनाम करने की कोशिश की गई तो सबसे पहले मैंने इसका विरोध किया।

आत्मरक्षा और राजस्थानी संस्कृति प्रशिक्षण शिविर के पोस्टर का विमोचन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । क्षत्रीय सभा एवं ट्रस्ट, बीकानेर संभाग मानव अधिकार सामाजिक कल्याण संघ और रजवाड़ी ग्रुप बीकानेर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित होने वाले सात दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के पोस्टर का विमोचन आज किया गया।

पोस्टर का विमोचन बीकानेर पूर्व विधानसभा की विधायक सिद्धि कुमारी और नया शहर थानाधिकारी कविता पूनिया द्वारा किया गया। दोनों गणमान्य अतिथियों ने इस पहल की सराहना की, जो महिलाओं और छात्राओं को सशक्त बनाने पर केंद्रित आत्मरक्षा और साफा बांधने का प्रशिक्षण संस्थापक उषा कंवर ने इस पहल के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि आज के समय में छात्राओं और महिलाओं को आत्मरक्षा की बहुत अधिक आवश्यकता है। इसलिए, हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण अवधि: यह शिविर 25 दिसंबर से शुरू होकर 31 दिसंबर 2025 तक चलेगा। शिविर में आत्मरक्षा के गुर सिखाए जाएँगे, साथ ही राजस्थानी कल्चर को बनाए रखने के लिए साफा पहनने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। यह सात दिवसीय प्रशिक्षण शिविर श्री राजपूत करणी विश्राम गृह, बीदासर हाऊस, तीरथ स्तंभ में आयोजित होगा इस अवसर पर मानव अधिकार सामाजिक कल्याण संघ की समस्त टीम मौजूद रही, जिन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना सहयोग दिया।

बीकानेर अंबेडकर सर्किल पर डॉ. भीमराव अंबेडकर को भावपूर्ण श्रद्धांजलि

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

शनिवार को बीकानेर स्थित अंबेडकर सर्किल पर संविधान के शिल्पकार, महान समाज सुधारक और भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस (पुण्यतिथि) के अवसर पर उन्हें सम्मानपूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में जिला शहर ओबीसी कांग्रेस कमेटी की अध्यक्ष उमा सुथार ने डॉ. अंबेडकर के अतुलनीय योगदान को याद किया। उमा सुथार ने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर का पूरा जीवन गरीबों, दलितों, पिछड़ों और समाज के शोषित वर्ग के उत्थान के लिए समर्पित रहा। उनके द्वारा स्थापित सिद्धांत–समानता, न्याय और मानवाधिकार–आज भी हमारे समाज के लिए मार्गदर्शक हैं और हमें इनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. मिर्जा हैदर बेग, श्रवण रामावत, नित्यानंद पारीक और अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने पुष्पांजलि अर्पित की। सभी उपस्थित लोगों ने डॉ. अंबेडकर के आदर्शों को अपनाने और उनके दिखाए मार्ग पर चलकर एक सशक्त और समावेशी समाज बनाने का संकल्प लिया।

Office Of The Gram Panchayat Khudana Panchayat Samiti Chirawa

Sr.N. - 195 Date - 04-12-2025

Open Tender for Civil Works In panchayati Raj Rules 181

NIB Code-ZJU2526A0586

UBN Code - ZJU2526WSOB01074

For More Details Works And Terms & Conditions See Web Site https//sppp.rajasthan.gov.in/

ग्राम विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत खुडाना
पं.स. चिड़ावा(झुंझुनूं)

10 साल में जिले में दूसरी बार होगा शिक्षक संघ शेखावत का प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन, 19-20 को सालासर में होगा

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । शिक्षक संघ शेखावत का प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन 19 व 20 दिसंबर को सालासर में होगा। जिलाध्यक्ष विजय पोटलिया ने बताया कि प्रांतीय सम्मेलन जिले में 10 साल में दूसरी बार हो रहा है। इससे पहले 2015 में सरदारशहर में हुआ था। प्रांतीय सम्मेलन को लेकर रविवार को जिलाध्यक्ष पोटलिया की अध्यक्षता में शिक्षक भवन संघ की जिला कार्यकारिणी की बैठक हुई। बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश सभा अध्यक्ष याकूब खान व प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वां ने 19 व 20 को जिले में होने वाले प्रांतीय सम्मेलन को जिले के बड़ा आयोजन बताते हुए तैयारियों पर चर्चा की। प्रांतीय सम्मेलन के लिए टीमों का गठन किया गया है, जो सारी व्यवस्थाओं को देखेंगी। जिला मंत्री वेदपाल मलिक, कार्यकारी जिलाध्यक्ष सुरेंद्र सीगड़ ने कहा कि हमारे जिले में संगठन का प्रांतीय शैक्षिक सम्मेलन होना गौरव की बात है। ऐसी स्थिति में हमें इसे सफल बनाने हेतु टीम भावना के साथ काम करने की आवश्यकता है। संगठन की सदस्यता का कार्य सभी ब्लॉकों में सफलतापूर्वक चल रहा है और 18 दिसंबर से पहले पहले हर हाल में शत प्रतिशत सदस्यता के लक्ष्य को पूरा करना होगा। शिक्षक संघ शेखावत के प्रदेश उपाध्यक्ष भंवरलाल कस्वां ने बताया कि सम्मेलन के पहले दिन शिक्षक, शिक्षार्थी एवं शिक्षा के संबंध एवं सार्वजनिक शिक्षा को बचाने पर मंथन होगा। प्रदेश स्तरीय एवं पूर्व नेता इस विषय पर बेबाकी से विचार रखेंगे।

सम्मेलन में सरकारी स्कूलों में 2 से 6 आयुवर्ग के बच्चों के पहली कक्षा में एडमिशन पर रोक पर भी चर्चा होगी। सरकार एवं विभाग के इस निर्णय से सरकारी स्कूलों का नामांकन कम हुआ है। ऐसे आदेश को वापस लेने के लिए लिखा जाएगा। शिक्षा को बेहतर व आसान बनाने एवं स्कूली ढांचे में बदलाव को लेकर विचार मंथन होगा। दूसरे दिन 20 दिसंबर को पहले दिन सम्मेलन में लिए गए निर्णयों के प्रस्ताव बनाकर राज्य सरकार को भिजवाए जाएंगे। 6जिलाध्यक्ष विजय पोटलिया ने कहा कि सार्वजनिक शिक्षा का बेड़ा गर्क करने में लगी इस सरकार के खिलाफ मुहिम चलाने की आवश्यकता है। हमारा प्रांतीय सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बैठक में व जिला कोषाध्यक्ष श्रीनाथ बरोड़, जिला उपाध्यक्ष रणवीर सारण, अनिल लांबा ,महेंद्र पूनिया, भोजराज शर्मा, सुरेंद्र झोरड़, संजय खीचड़, लूणाराम खारडिया, खादिम अली, रामनिवास सारण, मनीराम सारण, इमरान अहमद भाटी, कमल रक्षक, सुनील कानखेड़िया, रामचंद्र प्रजापत, कृष्ण कुमार ने भाग लिया।

बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर ब्लड डोनेशन कैंप एवं श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

आवाम ग्रुप झुंझुनूं द्वारा आज समाज कल्याण छात्रावास में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य एवं आवाम ग्रुप के सदस्यों ने बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर किया। एडीएम अजय कुमार आर्य एवं राजेश दहिया ने बताया कि आवाम ग्रुप द्वारा बहुत अच्छा कार्यक्रम रखा गया है। युवाओं ने आज बढ़कर चढ़कर रक्तदान किया ये बहुत ही सराहनीय है। डिप्टी सीएमएचओ डॉ भंवरलाल सर्वा ने बताया कि आवाम ग्रुप झुंझुनूं जिले में सामाजिक सरोकारों में बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। ग्रुप के द्वारा आज पंद्रहवें रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। सीताराम बास बुडाना ने बताया कि बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर आज 54 यूनिट रक्त संग्रहण का कार्य बीडीके ब्लड बैंक की टीम द्वारा किया गया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर अजय कुमार आर्य,समाजसेवी राजेश दहिया,डिप्टी सीएमएचओ डॉ भंवरलाल सर्वा ने रक्तदाताओं का हौसला अफजाई किया। रक्तदाताओं को ग्रुप द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पौधों का वितरण किया गया। सीताराम बास बुडाना द्वारा आज पच्चीसवीं, राजेश हरिपुरा द्वारा सत्रहवीं, अजय वर्मा ने तेरहवीं बार रक्तदान किया। आज के शिविर में युवाओं एवं महिलाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान समाजसेवी राजेश दहिया, बीडीके हॉस्पिटल पीएमओ जितेंद्र भांभू, डॉक्टर निरंजन चिरानियां, मनेश्वर सिरोवा, राजेश हरिपुरा, मदनलाल गुडेसर, महेश दौलतपुरा, महेश जसरापुर, सुनील गोठवाल, अनिल बेसरवाल, लीलाधर चौहान,नरेंद्र कहडायला, अजय वर्मा, इंद्राज सिंह भूरिया, जितेंद्र गर्वा,संदीप टंडन,एईएन रामप्रताप बरवड़, ताराचंद बारूपाल, डॉक्टर राजवीर बेसरवाल, डॉक्टर राहुल डीग्रवाल, पंकज आलडिया, सरदार सिंह, डॉक्टर महेश सरोवा, अनिल,डॉक्टर संजीव तुंदवाल,दीपू मंडाड,तनसुख सानेल, रघुवीर प्रसाद, कुलदीप बरवड, अभिनव, अब्दुल गफ्फार, हारून, तालीम हुसैन,प्रमोद दुराना, दिव्यांशी दुराना का बास,रामचंद्र मीणा, सुरेंद्र सिरोवा, राजवीर सिरोवा, नेतराम मीणा, सरिता, सुमनलता, प्रियंका टंडन, मिंकू,मधु खन्ना सहित सैकड़ों लोग उपस्थित रहें।

डालमिया विद्या मंदिर का 101वाँ स्थापना दिवस:'परंपरा, प्रगति और प्रकाश का पर्व

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

शिक्षा, संस्कार और संस्कृति की त्रिवेणी डालमिया विद्या मंदिर, चिड़ावा ने 6 दिसंबर को सायं 5 बजे से अपना 101वाँ स्थापना दिवस अत्यंत वैभव और उल्लास के साथ मनाया। विद्यालय की शताब्दी-पार यात्रा का यह उत्सव अतीत की स्मृतियों, वर्तमान के गौरव और भविष्य की आशाओं का जीवंत संगम बनकर उभरा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय संरक्षक पराग डालमिया, अनुराग डालमिया, जयंती डालमिया, गौतम डालमिया, अनुपमा डालमिया, मक्खन डालमिया और मनीष अग्रवाल जैसे गणमान्य अतिथियों द्वारा माँ सरस्वती की वाणी-वंदना और दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके बाद विद्यालय प्राचार्य शक्ति सिंह, प्रशासनिक अधिकारी कुलदीप कुल्हार और प्रधानाध्यापिका नमिता चौधरी ने सम्मानित अतिथियों का शॉल और साफा पहनाकर सत्कार किया। विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत मनोहारी सांस्कृतिक कार्यक्रमों–समूह नृत्य, नाट्य मंचन और देशभक्ति गीतों–ने भावनाओं का इंद्रधनुष बिखेर दिया। इन प्रस्तुतियों ने शांति, मानवता और विश्व-बंधुत्व का सशक्त संदेश दिया। कार्यक्रम का हृदयस्पर्शी आकर्षण रहा 'सीज़ फायर' नाट्य मंचन, जिसने मंच को करुणा और चेतना का संगम बना दिया। युद्ध की विभीषिका और मानवीय त्रासदी का यह हृदयविदारक दृश्य दर्शकों को मौन कर गया। प्रस्तुति ने यह मार्मिक संदेश दिया कि वास्तविक विजय हथियारों से नहीं, बल्कि संवेदना, संवाद और सौहार्द से प्राप्त होती है। हर दृश्य में देशभक्ति और वीरता की गूंज थी, जिसने दर्शकों के हृदय पर अमिट छाप छोड़ी। संस्था के कर्णधार पराग डालमिया ने अपने प्रेरक उद्बोधन में विद्यार्थियों को कर्मठता, अनुशासन एवं नैतिक मूल्यों को जीवन के मूल मंत्र के रूप में अपनाने का आह्वान किया। उनकी ओजस्वी वाणी ने छात्र-छात्राओं में आत्मविश्वास, संकल्प और राष्ट्र-निर्माण की चेतना का बीज बोया। विद्यालय परिसर में आयोजित कला गैलरी, विज्ञान प्रदर्शनी और सृजनात्मक प्रदर्शनी विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा और वैज्ञानिक दृष्टि का सजीव प्रमाण बनीं। नवाचार की कल्पनाशील झलक ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। समारोह में उन विद्यार्थियों का अभिनंदन किया गया, जिन्होंने अपनी मेधा और परिश्रम से 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षाओं में श्रेष्ठ अंक अर्जित किए, साथ ही राष्ट्रीय व राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में पराक्रम का परचम लहराकर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। समारोह के अंत में विद्यालय के मार्गदर्शक प्राचार्य शक्ति सिंह ने धन्यवाद ज्ञापन करते हुए सभी अतिथियों, अभिभावकों, पत्रकारों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह आयोजन विद्यालय की गौरवशाली परंपरा का प्रतीक है और आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा-पुंज बनकर प्रकाश फैलाता रहेगा। समारोह में अभिनव चतुर्वेदी, नंदिनी चतुर्वेदी, अरुण चौधरी, डॉ. हनुमान प्रसाद, विजय मसीह, गुरुनाम सिंह, भूपेन्द्र पालीवाल, अरुण पुष्करणा, अनिल गुप्ता, राजन और संजय सहित अनेक विशिष्ट अतिथियों, विद्यालय परिवार के समस्त स्टाफ और अभिभावक सदस्यों की उपस्थिति शोभनीय रही।

'वन्दे मातरम्' गीत के साथ ही यह ऐतिहासिक संध्या अविस्मरणीय स्मृतियों के पुष्प बिखेरती हुई संपन्न हुई और विद्यालय के इतिहास में एक स्वर्णाक्षरों में अंकित अध्याय बन गई।

क्यों हो रहा है भारतीय रुपए का अवमूल्यन

प्रहलाद सबनानी

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है।

माह जनवरी 2025 में भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीय बाजार में मूल्य 85.79 रुपया प्रति अमेरिकी डॉलर था। 3 दिसम्बर 2025 को रुपए का बाजार मूल्य लगभग 5 प्रतिशत घटकर 90.19 रुपया प्रति डॉलर हो गया। पिछले कुछ समय से अंतरराष्ट्रीय बाजार में रुपए का बाजार मूल्य लगातार गिर रहा है और हाल ही के समय में रुपए के बाजार मूल्य में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। जबकि, वित्तीय वर्ष 2025-26 की द्वितीय तिमाही में भारत की आर्थिक विकास दर पिछली 8 तिमाहियों में सबसे अधिक रिकार्ड 8.2 प्रतिशत की दर से आगे बढ़ी है तथा खुदरा मुद्रा स्फीति की दर 0.25 प्रतिशत के निचले स्तर पर आ गई है। भारत में वृहद अर्थव्यवस्था के विभिन्न मानदंडो के मजबूत बने रहने के बावजूद एशियाई देशों के बीच भारतीय रुपए की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में सबसे तेज गति से गिरी है।

दरअसल, अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए की कीमत में गिरावट के मुख्य कारण वैश्विक स्तर पर आर्थिक जगत में घट रही कुछ घटनाओं में छुपे हुए हैं, अन्यथा भारतीय अर्थव्यवस्था तो मजबूत स्थिति में बनी हुई है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा विभिन्न देशों से अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के होने वाले आयात पर टैरिफ की दरों में वृद्धि किए जाने से वैश्विक स्तर पर विदेश व्यापार में लगातार दबाव बना हुआ है। भारत से अमेरिका को होने वाले उत्पादों के निर्यात पर तो 50 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया गया है, जिसके चलते भारत से कुछ उत्पादों यथा, रेडीमेड गारमेंट्स, कृषि उत्पाद, लेदर उत्पाद, समुद्री जीवों का उत्पाद, जेम्स एवं ज्वेलरी आदि के अमेरिका को होने वाले निर्यात विपरीत रूप से प्रभावित हो रहे हैं एवं इससे भारत को अमेरिकी डॉलर का अंतरप्रवाह कम हो रहा है और व्यापार घाटे में वृद्धि दर्ज हो रही है। पिछली तिमाही के दौरान भारत के कुल आयात 18,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे हैं जबकि निर्यात केवल 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रहे। इस प्रकार, 8,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा दर्ज हुआ है। अक्टोबर 2025 माह में भी भारत का विदेशी व्यापार घाटा 4,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर के रिकार्ड स्तर के ऊपर रहा है। यह, भारत के लिए अच्छी खबर नहीं कही जा सकती है। इससे, भारत में चूंकि अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ रही है अतः भारतीय रुपए के मूल्य पर दबाव बढ़ रहा है।

दूसरे, विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय शेयर बाजार में पूर्व में किए गए अपने निवेश पर लाभ अर्जित करने के उद्देश्य से एवं अपने निवेश को तेजी से उभर रहे अन्य देशों के शेयर बाजार में अपने निवेश को बढ़ाने के उद्देश्य से, पिछले कुछ समय से, भारतीय पूंजी बाजार से लगातार अपने निवेश को निकाल रहे हैं। वर्ष 2025 में अभी तक विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 1.48 लाख करोड़ रुपए (1,640 करोड़ अमेरिकी डॉलर) मूल्य की निकासी की है। विदेशी संस्थागत निवेशकों द्वारा भारतीय शेयर बाजार से की जा रही निवेश की निकासे के चलते भी भारतीय रुपए पर दबाव पड़ता हुआ दिखाई दे रहा है, क्योंकि वे भारत में अमेरिकी डॉलर में किए गए अपने निवेश को अमेरिकी डॉलर में ही निकाल रहे हैं और इससे अमेरिकी डॉलर की कीमत (मांग) बढ़ रही है तथा रुपए की कीमत गिर रही है। वैसे तो सामान्यतः अंतरराष्ट्रीय बाजार में किसी भी देश द्वारा अपनी मुद्रा के मजबूत बने रहने की कामना की जाती है क्योंकि इससे मुद्रा बाजार में स्थिरता बनी रहती है एवं विदेशी निवेशक अमेरिकी डॉलर में अपना निवेश बढ़ाने पर विचार पक्का करते हैं। परंतु, इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय बाजार में यदि किसी देश की मुद्रा का अवमूल्यन होने लगता है तो उस देश में आयात होने वाले उत्पादों की कीमत महंगी हो जाती है। परंतु, इससे देश के निर्यातकों को जरूर लाभ होता है क्योंकि अमेरिकी डॉलर के एवज में उन्हें अधिक स्थानीय मुद्रा की प्राप्ति होती है। इस सिद्धांत के अनुसार ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में रूपए की कीमत के गिरने से भारत द्वारा अन्य देशों से किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों के आयातित उत्पाद भारतीय बाजारों में भी महंगे हो सकते हैं इस प्रकार अन्य देशों से मुद्रा स्फीति का आयात भारत में होने लग सकता है। उदाहरण के लिए भारत द्वारा कच्चे तेल के आयात की कीमत, भारतीय रुपए के अवमूल्यन के चलते, यदि बढ़ जाती है तो इससे भारत में मुद्रा स्फीति की दर भी बढ़ जाएगी क्योंकि भारत में अब कच्चे तेल का आयात उंची दरों पर हो रहा होगा। इसके ठीक विपरीत, भारत के निर्यातकों को अपने विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी डॉलर के एवज में अधिक रुपए की प्राप्ति होने लगेगी, इससे उन्हें अधिक लाभ होने की सम्भावना बढ़ जाएगा। इन परिस्थितियों के बीच, सामान्यतः भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारतीय रुपए के मूल्य में तेज गति से हो रहे अवमूल्यन को रोकने की दृष्टि से अमेरिकी डॉलर की बाजार में उपलब्धता बढ़ाते हुए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप किया जाता है। मध्य सितम्बर 2025 की अवधि तक भारतीय रिजर्व बैंक ने 2,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर बाजार में उपलब्ध कराए थे। परंतु, हाल ही के समय में भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा इस संबंध में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं किया जा रहा है। दरअसल, वैश्विक स्तर पर विदेशी व्यापार में निर्मित हुई अस्थिरता की स्थिति से भारतीय निर्यातकों को बचाने की दृष्टि से भी भारतीय रुपए का अवमूल्यन होने दिया जा रहा है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भारतीय रुपए के हो रहे अवमूल्यन के भारतीय अर्थव्यवस्था पर होने वाले विपरीत प्रभाव से भारतीय अर्थव्यवस्था को बचाने के उद्देश्य से भारत के पास 68,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का मजबूत विदेश मुद्रा भंडार उपलब्ध है। भारतीय रिजर्व बैंक जब भी चाहे इस विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करते हुए भारतीय बाजार में अमेरिकी डॉलर की उपलब्धता को बढ़ा सकता है। परंतु, यदि लम्बी अवधि की दृष्टि से देखा जाय तो भारत को विभिन्न उत्पादों के आयात घटाकर, विभिन्न उत्पादों के निर्यात में वृद्धि करते हुए अपने विदेशी व्यापार घाटे पर नियंत्रण स्थापित करना होगा। भारत में मुख्य रूप से कच्चा तेल एवं स्वर्ण का सबसे अधिक आयात किया जाता है। कच्चे तेल के आयात को कम करने हेतु एवं अपनी ऊर्जा की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करने हेतु भारत को नवीकरणीय ऊर्जा (ग्रीन ऊर्जा) के उत्पादन को बढ़ाना ही होगा। केंद्र सरकार इस संदर्भ में बहुत प्रयास कर रही है एवं अपनी ऊर्जा की जरूरतों को, विंड पावर एवं सौर ऊर्जा के उत्पादन में वृद्धि करते हुए, पूरा करने के प्रयास कर रही है। इसमें बहुत अच्छी सफलता भी मिलती हुई दिखाई दे रही है। इसी प्रकार, स्वर्ण के उत्पादन को भारत में ही बढ़ाकर इसके आयात को किस प्रकार कम किया जा सकता है, इस विषय पर भी गम्भीरता से विचार किए जाने की आवश्यकता है। साथ ही, भारत विभिन्न उत्पादों की लागत को कम कर देश में निर्मित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में प्रतिस्पर्धी बना सकता है। इसके लिए, भारत में ही कच्चे माल के उत्पादन को बढ़ाना आवश्यक होगा, ताकि कच्चे माल के आयात को कम किया जा सके। ब्याज दरों को कम करते हुए पूंजी की लागत को कम करना होगा। भारतीय रिजर्व बैंक ने दिनांक 5 दिसम्बर 2025 को घोषित अपनी मुद्रा नीति (मोनेटरी पॉलिसी) में रेपो दर में 25 आधार बिंदुओं की कमी करते हुए इसे 5.50 प्रतिशत से घटाकर 5.25 प्रतिशत कर दिया है। साथ ही, दिनांक 21 नवम्बर 2025 से भारत में चार श्रम संहिताओं (वेतन संहिता 2019, औद्योगिक सम्बंध संहिता 2020, सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 एवं व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्य शर्त संहिता, 2020) को लागू कर दिया गया है। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत में पूर्व में लागू 29 श्रम कानूनों को आसान और कारगर बनाए जाने का प्रशंसनीय प्रयास केंद्र सरकार द्वारा किया गया है। उक्त चार श्रम संहिताओं का लागू किया जाना भारत के श्रमबल के लिए उचित वेतन, श्रमिकों की सामाजिक सुरक्षा, उनकी रक्षा एवं उनके बेहतर कल्याण के क्षेत्र में एक बड़े बदलाव की शुरूआत भी माना जा रहा है। इससे भारत में मजबूत उद्योग की नींव रखी जाकर रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित किए जा सकेंगे। इन चार श्रम संहिताओं के माध्यम से भारत के श्रमिकों को वैश्विक मानकों के अनुरूप ढालने का प्रयास भी किया जाएगा एवं उनके लिए सामाजिक न्याय सुनि त किया जा सकेगा जो अंततः भारत को प्रत्येक क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने में सहायक होगा। चार श्रम संहिताओं को लागू करने के बाद भारतीय श्रमिकों की उत्पादकता में वृद्धि दर्ज होगी जिससे भारत में विभिन्न उत्पादों की उत्पादन लागत कम होकर इनके वैश्विक स्तर पर अधिक प्रतिस्पर्धी बनने की सम्भावना प्रबल होगी।

भारत के विदेशी मुद्रा भुगतान संतुलन को उचित स्तर पर बनाए रखने के लिए देश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा भी दिया जाना चाहिए। जिससे, विदेशी पर्यटक भारत में धार्मिक पर्यटन के लिए आकर्षित हों एवं भारत को विदेशी मुद्रा की उपलब्धता बढ़े। केंद्र सरकार देश में विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने के उद्देश्य से विभिन्न मंदिरों के आसपास मूलभूत/आधारभूत सुविधाओं को उपलब्ध कराने की ओर विशेष ध्यान दे रही है। अयोध्या में प्रभु श्रीराम मंदिर का निर्माण कर पूरे अयोध्या नगर में आधारभूत सुविधाओं की दृष्टि से आमूलचूल परिवर्तन किए गए हैं। इसी प्रकार, वाराणसी, माता वैष्णोदेवी मंदिर, उज्जैन, प्रयागराज, गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ एवं बद्रीनाथ आदि नगरों में आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। जिससे इन नगरों में श्रद्धालुओं (विदेशी पर्यटकों सहित) की संख्या में अपार वृद्धि दृष्टिगोचर है।

कुल मिलाकर कभी कभी वैश्विक परिस्थितियों बीच कई देश अपनी मुद्रा का अवमूल्यन होने देते हैं और यह कदम अंततः लम्बी अवधि में देश हित में ही माना जाता है।

जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशी ढूंढकर खुशी का आनंद लेकर खुश रहें

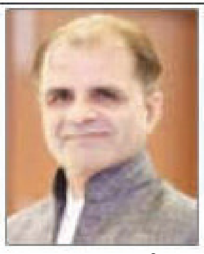

किशन भावनानी

मानव जीवन रूपी गाड़ी के सुख और दुख, खुशी और गम रुपी दो ऐसे पहिए हैं जिसके बगैर जीवन रूपी गाड़ी चलना मुश्किल है, क्योंकि ऊपर वाले ने सृष्टि में मानव जीवन की रचना कर सफलताओं और सहायता के लिए ही यह दोनों पहियों को मानव जीवन में संचारित किए हैं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि खुशी मनीषियों के अहंकार, अहम, अभिमान से अलंकृत होने का न्योता भी साथ-साथ देती है तो गम मनीषियों को सबक, सीख, नम्रता, सद्भाव सीखने का न्योता देता है, याने जीवन के दोनों पहियों से मानव को कौशलता से सीखने की जरूरत है।जब दोनों पहियों रूपी परिस्थितियों में मानव खुशरंग जीवन जीने की कला अपनी कौशलता से सीख लेगा तो अपने जीवन की गाड़ी को सफलता से अपने ऊंचे मानवीय सकारात्मक स्तरों को छू लेगा और मनुष्य जीवन के लिए एक मिसाल कायम कर अपना, अपने कुल और राष्ट्र का नाम ऊंचा करने का सामर्थ प्राप्त करेगा क्योंकि खुशी सफलता की चाबी है।

साथियों बात अगर हम जीवन के एक पहिए खुशी की करें तो खुशियों को हम खुद अपनी कौशलता से अपने जीवन की छोटी-छोटी बातों में ढूंढ कर खुशी का आनंद ले कर खुश रह सकते हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी सकारात्मक पल ढूंढकर, खुशी का इजहार कर अपने कौशलता से दूसरों को प्रोत्साहित कर मानवता धर्म को अदा कर ही सकते हैं। हम अगर सृष्टि में देखें तो कैसे कांटो के बीच भी गुलाब का फूल शिद्दत से खिलता मुस्कुराता रहता है, बस !यह तो हमारे लिए बहुत बड़ी सीख की ओर इशारा है।

साथियों बात अगर हम हमारे जीवन के पलों पर जमाने छिटाकशी की करें तो हमने1974 में आई हिंदी फिल्म अमर प्रेम का गाना,, कुछ तो लोग कहेंगे, लोगों का काम है कहना, छोड़ो बेकार की बातें, सुनें होंगे इसलिए हमें चाहिए कि दूसरों की तारीफों का मोहताज नहीं बनकर अपने कार्य का स्वयं मूल्यांकन कर अच्छे कार्य पर स्वयं गर्व कर खुश रहें, और क्या विपरीत, क्या गलत हुआ उसका स्वतः संज्ञान लेकर उसमें सुधारात्मक उपाय करने पर भी खुशी का एहसास करना होगा, क्योंकि हमने अपने जीवन की कमी को ढूंढ कर उसे सुधारात्मक उपाय से सुधार कर आगे बढ़े यह भी एक खुशी की बात है!!हर कमी में सुकून, सकारात्मकता और खुशी ढूंढ लोगों के साथ खुशियों को साझा करें, दूसरों की खुशियों में भी खुश रहें, मन में सुकून ग्रहण करने की आदत अपनाएं

साथियों बात अगर हम जीवन के हमारे दुख रूपी पहिए की करें तो हम हमारे जीवन के दुख के क्षणों में हमें अपने को ऊपर कर अपनी आंखें अपने से नीचे झुकाकर देखना चाहिए कि हमारे से ज्यादा अधिक दुःखी कितने मनीषी जीव हैं और हृदय, मस्तिष्क में यह बात संचारित करें कि इनसे तो हम हमारे दुख बहुत छोटे हैं याने हम दुखों में भी अपनी खुशी ढूंढ तो बस,फिर क्या,जीवन की गाड़ी के दोनों पहियों में हमारे हृदय की सकारात्मक भावना को संचारित करें तो हम पाएंगे कि हमसे ज्यादा कोई खुश है ही नहीं।

साथियों बात अगर हम जीवन की छोटी-छोटी बातों की करें तो उसमें हमें ढेर सारी खुशियां मिल सकती है मसलन अपनी तुलना किसी से ना करें, हमेशा सकारात्मक पहलू पर ध्यान दें, लोगों के साथ खुशियों को बांटे, वह कार्य करें जिसमें खुशियां मिले, जो खुश रहते हैं ऐसे लोगों से मिलिए, आत्मविश्वास से भरपूर रहे, मनपसंद किताबें पढ़ें, समस्या है तो समाधान सोचे, कुछ स्पेशल और अच्छा सोचें, हमेशा चेहरे पर मुस्कान रखें, पुरानी अच्छी बातों को याद रखें, मन को बच्चे जैसा साफ रखें, अपने परिवार व बच्चों के साथ समय बिताएं, प्यार पाने को प्यार करना सीखे, छोटी-छोटी सफलताओं पर खुशियां मनाएं, 6 से 8 घंटे नींद पूरी लें इत्यादि अनेक बातों पर ध्यान देने और अपनाने की कोशिश करें तो खुशियों का एहसास आपको जरूर नजर आएगा।

साथियों बात अगर हम स्वयं को खुश रखने की करें तो, आप स्वयं ही अपने आपको प्रसन्न कर सकते हैं। प्रसन्नता कोई अपने आप आने वाली चीज नहीं है। इसके लिए आपको लगातार कोशिश करनी होगी। जब आपको दूसरों की खुशी में ही खुशी मिलने लगेगी तो आप खुशी के भीतर छिपा राज जान लेंगे। याद रखें कि खुशी हमेशा किसी वस्तु की इच्छा, प्रशंसा या कुछ करने में नहीं होती। जीवन की छोटी-छोटी बातों में खुशियां तलाशें और मानकर चलें कि आप प्रसन्न हैं। कोई भी अपना मनपसंद काम करके खुशी पा सकता है। यदि आप मनचाहा काम करने जा रहे हों तो आपको सच्ची प्रसन्नता मिलती है। कुछ रचनात्मक कार्य करें, बेकार व्यक्ति कभी भी खुशी नहीं पा सकता। अपनी इच्छाएं सीमित करके अपने साधनों से संतुष्ट रहने में ही सच्ची खुशी छिपी है। जो लोग कुछ नहीं कर सकते उनके पास काम ही नहीं होता।

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार

Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

परिवार में टूटता भरोसा-रिश्तों का अंतहीन दर्द

परिवार मनुष्य के जीवन का पहला सामाजिक विद्यालय है, जहाँ प्रेम, विश्वास, सहयोग और सामंजस्य जैसे मूल्यों की नींव रखी जाती है। यही वह स्थान है जहाँ इंसान खुद को सुरक्षित, स्वीकार्य और संरक्षित महसूस करता है। लेकिन जब इसी परिवार के भीतर धोखा, छल या विश्वासघात का बीज बो दिया जाता है, तो रिश्तों की जड़ें तेजी से सड़ने लगती हैं। पारिवारिक रिश्तों की मजबूती किसी औपचारिक नियम से नहीं, बल्कि आपसी भरोसे और भावनात्मक ईमानदारी से बनी रहती है। इसी विश्वास की डोर पर पूरा पारिवारिक ढांचा टिका होता है—और जब यह डोर टूट जाती है, तो रिश्ते अपना अस्तित्व खोने लगते हैं। यहां मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है। परिवार में धोखा सिर्फ एक घटना नहीं होता; यह एक भावनात्मक भूकंप होता है जो वर्षों तक गूंजता रहता है। छोटी-मोटी बहसें, असहमति या नोकझोंक तो हर परिवार में होती हैं, और अक्सर यह रिश्तों को और मजबूत ही करती हैं। लेकिन विश्वासघात एक ऐसी चोट देता है जो न केवल मन में घाव छोड़ती है, बल्कि व्यक्ति के भीतर के विश्वास, प्रेम और अपनत्व की भावना को भी तोड़ देती है। जब अपने ही लोग छल करते हैं, तो दर्द कई गुना बढ़ जाता है, क्योंकि रिश्तों की नींव ही यही विश्वास था कि 'अपना व्यक्ति कभी नुकसान नहीं पहुंचाएगा। 'विश्वास टूटने के बाद रिश्ते खोखले हो जाते हैं। दिखावा कुछ समय तक किया जा सकता है, पर भीतर का खालीपन और दूरी समय के साथ और बढ़ती जाती है। धोखे का प्रभाव केवल दो व्यक्तियों तक सीमित नहीं रहता; यह पूरे परिवार के वातावरण को प्रभावित करता है। घर की शांति भंग हो जाती है, संवाद कम हो जाता है, और लोग भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से दूर होने लगते हैं। बच्चे इस तनाव को महसूस करते हैं, महिलाएँ मानसिक रूप से टूटती हैं, बुजुर्ग असहाय से हो जाते हैं—यानी एक धोखा पूरे परिवार की आत्मा को घायल कर देता है।

धोखे से पैदा होने वाला दर्द केवल क्षणिक नहीं होता। कई बार यह जीवनभर पीछा करता है। पीड़ित व्यक्ति खुद को अकेला, असुरक्षित और ठगा हुआ महसूस करता है। वह अपनी गलतियों से ज्यादा दूसरों की नीयत से डरने लगता है। कई रिश्ते ऐसे बिंदु पर पहुंच जाते हैं, जहाँ लौटना संभव नहीं होता। चाहे कितनी भी कोशिश कर ली जाए, टूटे हुए भरोसे का पुनर्निर्माण उतना ही कठिन होता है जितना किसी दरकी हुई दीवार को फिर से वैसा ही मजबूत बनाना। परिवार की असली शक्ति आपसी समर्थन, पारदर्शिता और सम्मान में होती है। यदि इन मूल्यों को नजरअंदाज कर दिया जाए और रिश्तों का आधार स्वार्थ या छल पर रखा जाए, तो समय आने पर पूरा ढांचा ढह जाता है। एक बार विश्वास टूट जाए तो रिश्ते भले ऊपर से सलामत दिखें, पर भीतर से खोखले हो चुके होते हैं। आज के समय में परिवारों में बढ़ती दूरियां, अलगाव और टूटन का मूल कारण अक्सर यही होता है—विश्वास की अनदेखी और भावनाओं के प्रति संवेदनहीनता। यदि समाज को मजबूत बनाना है, तो सबसे पहले परिवारों को मजबूत बनाना होगा। और परिवार तभी मजबूत होंगे जब उनके भीतर सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और ईमानदारी की भावना जीवित रहे। ज़रूरी है कि परिवार के हर सदस्य को यह समझ आए कि रिश्ते सिर्फ खून या नाम के नहीं होते, बल्कि विश्वास, प्रेम और जिम्मेदारी से निभाए जाते हैं। यदि हम इस विश्वास को संजोकर रखें, तो परिवार एक छत नहीं, बल्कि ऐसी शरणस्थली बन सकता है जहाँ हर व्यक्ति अपने दुख, दर्द और सपनों को निर्भयता से साझा कर सके। परिवार को परिवार बनाए रखने के लिए सिर्फ प्यार काफी नहीं है—विश्वास और निष्ठा उसका असली आधार हैं। इन्हें सुरक्षित रखना हम सबकी जिम्मेदारी है।

बदलती दुनिया में भारतझ्ररूस की अटल साझेदारी

योगेश कुमार गोयल

विश्व राजनीति की जटिलताओं और शक्ति-संतुलन के नए उभार के बीच कुछ संबंध ऐसे होते हैं, जो समय के साथ अपनी प्रासंगिकता को विस्तार देते हुए नई दिशाएं निर्धारित करते हैं। भारत और रूस का रिश्ता ऐसे ही संबंध का उदाहरण है, जो युद्धों, तकनीकी क्रांतियों, आर्थिक परिवर्तन और वैश्विक सरंखणों के अनेक चक्रों से गुजरते हुए भी ध्रुव तारे की तरह स्थिर बना रहा है। यह स्थिरता वैश्विक परिदृश्य में भारत की रणनीतिक स्वायत्तता, रूसी विश्वास और दोनों देशों के साझा हितों का परिणाम है। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में 5 दिसंबर को आयोजित 23वें वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन ने इस ऐतिहासिक स्थिरता को पुनर्पुष्ट करते हुए भविष्य की दिशा स्पष्ट कर दी। यह रिश्ता अब अतीत का बोझ नहीं, भविष्य की वैश्विक व्यवस्था के निर्माण में एक सक्रिय और आवश्यक घटक है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-रूस संबंधों को 'ध्रुव तारे की तरह स्थिर' कहा तो वह केवल एक कूटनीतिक प्रशंसा वाक्य नहीं था। ध्रुव तारा दिशा दिखाने वाला स्थायी प्रकाश-स्त्रोत है और भारत-रूस संबंध भी आज वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं, ऊर्जा-भू-राजनीति, उभरती तकनीकों, व्यापारिक विविधीकरण और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की दिशा तय करते प्रतीत होते हैं। इस शिखर वार्ता ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और रूस के बीच संबंध राष्ट्रीय हित, परस्पर सम्मान और साझा दृष्टिकोण की दृढ़ बुनियाद पर टिके हैं। ऐसे समय में, जब वैश्विक राजनीति अमेरिका-चीन प्रतिद्वंद्विता, यूरोपीय सुरक्षा संकट, पि मी प्रतिबंधों, नाटो विस्तार और यूक्रेन युद्ध के दबावों से आकंठ भरी हुई है, भारत और रूस का संबंध संतुलन, स्वायत्तता और दीर्घकालिक नीति-दृष्टि का मॉडल बनकर उभर रहा है। दोनों देशों ने 'भारत-रूस आर्थिक सहयोग कार्यक्रम 2030' नामक नए रोडमैप को मूर्त रूप दिया, जो व्यापार, ऊर्जा, उर्वरक, तकनीकी नवाचार, समुद्री अवसंरचना, श्रम गतिशीलता और रणनीतिक उद्योगों में साझेदारी को एक व्यापक और भविष्यनिष्ठ आधार प्रदान करता है। यह समझौता दो देशों के व्यापारिक हितों का विस्तार नहीं बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में डॉलर वर्चस्व को चुनौती देने वाली और बहुध्रुवीय आर्थिक संरचना को स्थापित करने वाली एक साहसिक पहल भी है।

भारत और रूस के बीच व्यापारिक संबंधों की प्रकृति अब मूल्य, तकनीक और रणनीतिक नियंत्रण पर आधारित होती जा रही है। 2024 में दोनों देशों का व्यापार 64 अरब डॉलर तक पहुंच चुका था और अब 2030 तक इसे 100 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह लक्ष्य उस नई आर्थिक संरचना की घोषणा है, जिसके तहत दोनों देशों के बीच 96 प्रतिशत भुगतान रुपये और रूबल में होने लगा है। इस तथ्य का अर्थ वैश्विक आर्थिक विमर्श में अत्यधिक दूरगामी है, जो न केवल डॉलर की निर्भरता को चुनौती देता है बल्कि वैश्विक व्यापार को एक ऐसी राह पर ले जाता है, जहां मुद्रा-स्वायत्तता, आर्थिक आत्मनिर्भरता और बहु-मुद्रा व्यापार व्यवस्था भविष्य का आधार बन सकती है। शिखर सम्मेलन में कृषि-उद्योग क्षेत्र में उर्वरक उत्पादन पर सहमति आने से भारत की खाद्य और कृषि सुरक्षा रणनीति को ऐतिहासिक मजबूती मिली है। आज जहां दुनिया संसाधन-संकट, कृषि लागत, उत्पादन सीमाएं और उर्वरक आपूर्ति से संबंधित अनि तताओं का सामना कर रही है, वहीं भारत और रूस का संयुक्त यूरिया उत्पादन कार्यक्रम भारत को केवल खरीदार देश नहीं, वैश्विक कृषि-आपूर्ति श्रृंखला में सक्रिय उत्पादक राष्ट्र के रूप में स्थापित करेगा। यह भारत की आत्मनिर्भर कृषि नीति, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और खाद्य सुरक्षा के दीर्घकालिक ढ़ांचे को सुदृढ़ करेगा।

फार्मास्यूटिकल क्षेत्र में रूस में भारतीय तकनीक से फार्मा फैक्टरी की स्थापना स्वास्थ्य-क्षेत्र में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा का संकेत है। भारत आज दुनिया के लिए 'फामेर्सी ऑफ द ग्लोब' बन चुका है। कोविड काल में दुनिया ने यह देखा कि दवा निर्माण केवल उद्योग नहीं बल्कि सामरिक शक्ति भी है। रूस में दवा निर्माण भारत को न केवल बाजार देगा बल्कि ऐसे समय में तकनीकी और कच्चे माल की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बनाएगा, जब पि मी दवाईयों की आपूर्ति-राजनीति वैश्विक स्वास्थ्य प्रणाली पर नियंत्रण का उपकरण बन चुकी है। भारत-रूस संबंधों का सबसे ठोस और दीर्घकालिक आयाम ऊर्जा क्षेत्र है। रूस भारत का सबसे बड़ा ऊर्जा-आपूर्तिकर्ता बन चुका है और उसने विश्व के ऊर्जा-संकट के मध्य भारत को अबाध आपूर्ति देकर यह साबित किया कि यह संबंध परिस्थितियों से संचालित नहीं बल्कि विश्वास पर आधारित है।

सम्मेलन में परमाणु ऊर्जा पर हुई चर्चा और कुडनकुलम प्लांट के विस्तार की पुनर्पुष्टि भारत की स्वच्छ और विश्वसनीय ऊर्जा रणनीति को एक नई दिशा देती है। रूस द्वारा छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर उपलब्ध कराने का प्रस्ताव उस परिवर्तन की पूर्वपीठिका है, जहां भारत विकेन्द्रीकृत ऊर्जा प्रणालियों के माध्यम से हर क्षेत्र को स्वच्छ ऊर्जा से जोड़ सकेगा। यह भारत के नेट-जीरो संकल्प की व्यवहारिक यात्रा का महत्वपूर्ण चरण है। क्रिटिकल मिनरल्स का मुद्दा आने वाली औद्योगिक क्रांति की रीढ़ है। एआई, इलैक्ट्रिक वाहन, एयरोस्पेस, बैटरी निर्माण और रोबोटिक्स, इन सभी उद्योगों का अस्तित्व लिथियम, निकेल, कोबाल्ट और रेयर-अर्थ मेटल्स पर निर्भर है। पि मी देशों ने इन खनिजों पर एकाधिकारवादी नियंत्रण बनाने का प्रयास किया है जबकि भारत-रूस इस समीकरण को बदल रहे हैं। रूस के पास विशाल खनिज संसाधन हैं और भारत के पास विकासशील तकनीक, अनुसंधान क्षमता और उत्पादन की औद्योगिक शक्ति। दोनों का मिलन वैश्विक तकनीकी प्रतिस्पर्धा को नया आयाम प्रदान करेगा।

भारत द्वारा रूसी नागरिकों के लिए 30 दिन तक मुफ्त ई-टूरिस्ट वीजा की घोषणा कूटनीति को लोगों की चेतना में स्थापित करती है। यह सांस्कृतिक जुड़ाव की पुनर्पुष्टि है, जिसमें बौद्ध परंपरा, योग, भारत-रूस सांस्कृतिक आकर्षण और ऐतिहासिक धारा की निरंतरता उपस्थित है। यह पहल वैश्विक सूचना-राजनीति के युग में 'नैरेटिव स्वायत्तता' के निर्माण की ओर भी संकेत करती है, जिसे रूस के 'आरटी इंडिया' ब्यूरो की स्थापना आगे बढ़ाएगी। इस शिखर वार्ता में यूक्रेन संकट पर भारत की स्थिति ने अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में भारत की नई भूमिका को स्पष्ट किया। भारत न तो किसी ध्रुव में समाहित है, न ही किसी वैश्विक सुरक्षा-प्रतिस्पर्धा का हिस्सा बल्कि वह शांतिवादी और वैचारिक नेतृत्व के नए मॉडल के रूप में उभरा है। ब्रिक्स, जी-20 और शंघाई सहयोग संगठन जैसे मंचों पर भारत और रूस का समन्वय बहुध्रुवीय व्यवस्था के निर्माण में निर्णायक भूमिका निभा रहा है। यह संबंध केवल सुरक्षा और सामरिक हितों से परे है, यह एक सभ्यतामूलक विमर्श है, जहां भारत और रूस अमेरिकी-यूरोपीय प्रभाव-क्षेत्र की एकध्रुवीयता को चुनौती देते हुए वैश्विक संतुलन स्थापित करने का प्रयास कर रहे हैं।

पंजाब व हरियाणा बार काउंसिल के आगामी चुनावों के लिए भीम आर्मी प्रत्याशीयों की घोषणा शीघ्र करेगी- एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा

भीम आर्मी लीगल विंग के राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट मोहन श्याम आर्य व प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार 25 दिसम्बर की राष्ट्रीय मिटींग में करेंगे घोषणा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई दिल्ली/टोहाना।

रजत रंगा । ऑल इंडिया भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी (कांशी राम) के हरियाणा प्रदेश प्रवक्ता लीगल विंग एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा ने राष्ट्रीय चैयरमेन भीम आर्मी लीगल विंग व सुप्रीम कोर्ट आफ इंडिया के एडवोकेट मोहन आर्य व प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट ध्रुव कुमार फरीदाबाद से विचार-विमर्श के बाद प्रैस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि पंजाब व हरियाणा बार काउंसिल चुनावों में भीम आर्मी लीगल विंग के हरियाणा व पंजाब में सभी सदस्य गण अपने संगठन के निर्णय के बाद ही प्रत्याशी को समर्थन करेंगे या भीम आर्मी लीगल विंग स्वयं ही अपने प्रत्याशी खड़े करेगी इस बात का निर्णय राष्ट्रीय मिटींग में नई दिल्ली में 25दिसम्बर को होगा। प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने बताया कि हरियाणा में भीम आर्मी लीगल विंग इस बार बार काउंसिल ऑफ पंजाब व हरियाणा के चुनावों में किसी मजबूत प्रत्याशी को भी समर्थन की घोषणा पर विचार कर सकती है। एडवोकेट रंगा ने कहा कि हरियाणा व पंजाब से एक एक प्रत्याशी को समर्थन पर मिटींग में ऐजेन्डा होगा वैसे अन्तिम निर्णय भीम आर्मी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट चन्द्र शेखर आजाद का ही होगा। हरियाणा के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट विजय कृष्ण रंगा टोहाना ने बताया कि भीम आर्मी लीगल विंग के पूरे हरियाणा व पंजाब में लगभग 3000हजार से ज्यादा एडवोकेट सदस्य हैं जो एकजुटता दिखाते हुए अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद व एडवोकेट सुभाष चन्द्र शेखर आजाद व राष्ट्रीय चैयरमेन एडवोकेट मोहन श्याम आर्य के आदेश पर खरा उतरने का काम करेगें।

गांधी पार्क में जिला कांग्रेस शहर द्वारा 'श्रमदान' का नवाचार: हर सप्ताह महापुरुषों के प्रतिमा स्थल की होगी सफाई

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) ने एक सराहनीय नई पहल करते हुए रविवार को गांधी पार्क में 'श्रमदान' किया। शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने इस नवाचार का नेतृत्व किया और कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर पार्क की साफ-सफाई की। अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने इस पहल के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि श्रमदान के माध्यम से बीकानेर कांग्रेस शहर अब हर सप्ताह एक महापुरुष के प्रतिमा स्थल पर जाकर साफ-सफाई करेगी। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कांग्रेस जनों को रचनात्मक कार्यों के लिए प्रेरित करना और शहर को स्वच्छ बनाए रखने में सक्रिय योगदान देना है। यह पहल शहर में स्वच्छता और सामुदायिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में कांग्रेस कमेटी का एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। गांधी पार्क में किए गए इस श्रमदान और साफ-सफाई कार्य में शहर जिला कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें जाकिर हुसैन, सुमित कोचर, सुषमा बारूपाल, सहजाद भूट्टा, सिंवरी चौधरी, आशा स्वामी, सुरेन्द्र सिंह, अब्दुल रहमान लोदरा, विजय सिंह शेखावत, नितिन वत्सल, आजम खां, शलीन खां, अशोक कुमार, रईस अली, अली राजा, अभिषेक सिंह, राजेन्द्र पहाड़िया, हंसराज बिश्नोई, धनसुख आचार्य, भीखाराम मेघवाल, सोनू ईणखिया सहित अन्य कांग्रेसजन शामिल थे।

समाजसेवी सिंगोदिया की छात्रावास में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर अर्पित किए श्रद्धासुमन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

समाजसेवी व महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास निर्माण समिति के अध्यक्ष रामावतार सिंगोदिया के निधन पर उनको समिति की ओर से छात्रावास प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर उपस्थित जनों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि दी तथा शोक प्रस्ताव पारित किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने सिंगोदिया के निधन को अपूर्णीय क्षति बताते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने तथा उनके कार्यों का पूरा करने का संकल्प समिति के सदस्यों ने लिया तत्पश्चात श्रद्धांजलि सभा के बाद उपस्थित जनों ने सामूहिक रूप से उनके निज निवास पहुंच श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उद्योगपति प्रेम प्रकाश बागड़ी, उपकोषाधिकारी सज्जन कुमार सैनी, सहायक लेखाधिकारी प्रथम झाबरमल माली, शिक्षक महेंद्र कुमार माली,बैंक मैनेजर अनिल कुमार सैनी, महावीर प्रसाद सैनी, पूर्व पार्षद राकेश गौड़, विनोद कुमार गौड़, दीपचंद सैनी, मनोज कुमार राकसिया , अंकित सैनी, संजय सतरावला, अनिल कुमार, अंकित कुमार, संदीप कुमार,अनिल कुमार, मनोज कुमार, अनिल, उत्तम कुमार, धर्मपाल, बनवारी लाल, ओमप्रकाश, राकेश कुमार, बाबूलाल सैनी सहित छात्रावास समिति के पदाधिकारी सदस्य, विधार्थी, कारीगर व प्रबुद्ध जन मौजूद थे।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, झुंझुनू द्वारा लूना ग्राम पंचायत में कंबल वितरण कार्यक्रम सम्पन्न

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट, झुंझुनू द्वारा 'सरकारी योजना जन-जन तक' अभियान के तहत हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी शीतकालीन सहायता स्वरूप गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों को कंबल वितरण किया गया। इसी क्रम में आज लूना ग्राम पंचायत में कुल 30 जरूरतमंद व्यक्तियों को कंबल वितरित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. राजेश कुमार एवं ग्राम पंचायत लूना के भामाशाह रणजीत सिंह राजपूत उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने ट्रस्ट द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि समाज की बेहतरी के लिए ऐसे जनसेवा कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। इस अवसर पर ट्रस्ट के सहयोगी श्रवण कुमार एवं ग्यारसी कुमारी सबल विशेष रूप से उपस्थित रहें और कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। लोक सेवा ज्ञान मंदिर ट्रस्ट का उद्देश्य जरूरतमंदों तक सहायता पहुँचाकर समाज में सकारात्मक परिवर्तन की दिशा में निरंतर कार्य करना है।रविवार को आयोजित यह सेवा कार्यक्रम ट्रस्ट की जनकल्याणकारी प्रतिबद्धता का एक और सराहनीय उदाहरण रहा।

फतेहाबाद के भोड़िया खेड़ा कॉलेज में इग्नू लर्नर्स की इंडक्शन मीटिंग आयोजित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद।

रजत विजय रंगा । भोड़िया खेड़ा स्थित राजकीय महिला कॉलेज के अध्ययन केंद्र (स्टडी सेंटर 1031) में जुलाई 2025 सत्र में प्रवेश लेने वाले इग्नू शिक्षार्थियों के लिए रविवार को इंडक्शन मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) की कार्यप्रणाली तथा अध्ययन प्रक्रिया से अवगत कराना रहा। स्टडी सेंटर के संयोजक डॉ. गुरनाम चंद ने बताया कि इग्नू, नई दिल्ली के क्षेत्रीय केंद्र करनाल से सहायक निदेशक डॉ. अमित जैन ने ऑनलाइन माध्यम से छात्रों को संबोधित किया तथा विश्व की सबसे बड़ी ओपन यूनिवर्सिटी का हिस्सा बनने पर उन्हें बधाई दी। उन्होंने विद्यार्थियों को इग्नू की अध्ययन प्रणाली, असाइनमेंट प्रक्रिया, परीक्षा पद्धति तथा आवश्यक शैक्षणिक शब्दावली के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी प्रदान की। डॉ. गुरनाम चंद ने छात्रों को अवगत कराया कि यदि शिक्षार्थी समयानुसार अपने सभी अकादमिक दायित्व पूर्ण करते हैं तो निर्धारित अवधि के भीतर उनकी डिग्री उनके पते पर भेज दी जाती है। उन्होंने यह भी बताया कि इग्नू द्वारा संचालित सभी कोर्स राष्ट्रीय स्तर पर पूर्णतः मान्यता प्राप्त हैं तथा इनके पाठ्यक्रम को उत्कृष्ट गुणवत्ता के लिए व्यापक रूप से सराहा जाता है।

कार्यक्रम में स्टडी सेंटर के अकादमिक काउंसलर डॉ. राजा राम, भारती शर्मा, राजवीर आर्य, सीताराम, दिनेश कुमार, राय सिंह, कृष्ण कुमार, रामनिवास तथा गैर-अकादमिक स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया तथा विशेषज्ञों द्वारा उनके सभी प्रश्नों का समाधान किया गया।

शाहजहांपुर में शादी गए परिवार के घर बड़ी चोरी, ग्रामीणों ने सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जताई चिंता

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । शाहजहांपुर के महाजन मोहल्ले में शनिवार रात एक व्यापारी के घर पर चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। घटना उस समय हुई, जब परिवार दिल्ली में एक शादी समारोह में गया हुआ था। वारदात की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। व्यापारी सत्य प्रकाश गुप्ता के घर चोरों ने मुख्य दरवाज़े और अंदरूनी कमरों के ताले तोड़कर लाखों रुपये के आभूषण और कीमती सामान को चोरी कर लिया। व्यापारी के पुत्र शांतनु गुप्ता ने बताया कि परिवार शनिवार को दिल्ली के कार्यक्रम में शामिल होने गया था। रविवार सुबह लगभग 8:45 बजे जब वे घर लौटे तो ताले टूटे हुए देखकर घटना की जानकारी हुई। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में चोरों की गतिविधियां रिकॉर्ड मिली हैं। फुटेज में रात के समय कुछ संदिग्ध लोग घर में दाखिल होते दिखाई दे रहे हैं। चोरी की सूचना पर थाना प्रभारी प्रकृता मय जाप्ता मौके पर पहुंचीं और घटनास्थल का जायजा लिया। पुलिस ने परिवार को निर्देश दिया है कि चोरी वाली जगह को फिलहाल न छुआ जाए, ताकि एसएफएल टीम मौके पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य जुटा सके। चोरी गए गहनों और सामान की कुल कीमत का आकलन जारी है। चूंकि सत्य प्रकाश गुप्ता का कस्बे में कपड़ों का बड़ा शोरूम है, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने घर की पहले से रेकी की होगी और परिवार के बाहर होने की जानकारी पहले से जुटाई गई होगी।

स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में अटेली का सकारात्मक बदलाव हो रहा है- विकास यादव

मंत्री के द्वारा अटेली कॉलेज में 4.51 करोड़ से मल्टीपर्पज हॉल के निर्माण के लिए राशि मंज़ूर हुई है

भीम प्रज्ञा न्यूज़.मंडी अटेली।

मनोज बुलाण । स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव के नेतृत्व में अटेली का सकारात्मक बदलाव हो रहा है। उनके प्रयासों से जहां स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर बदलाव हो रहे है वही आधारभूत ढांचे के विकास कार्यो ने गति पकड़ ली है। राज्य सरकार ने अटेली राजकीय महाविद्यालय में मल्टीपर्पज हॉल के अधूरे निर्माण कार्य को पूरा करवाने के लिए टेंडर जारी हो गया है। जिसे 1 साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। नगरपालिका अटेली के पूर्व प्रधान विकास यादव ने बताया कि लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा लगभग 4.51 करोड़ रुपये की ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की हैं। इस कार्य को लगभग 1 साल की निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि विद्यार्थियों को जल्द से जल्द बेहतर सुविधाएं मिल सकें। पूर्व चेयरमैन ने स्वास्थ्य मंत्री विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी व केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य सहित दूसरे क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। स्वास्थ्य मंत्री के प्रयासों से अटेली में सकारात्मक बदलाव हो रहे है। मंत्री आरती सिंह राव के प्रयासों से मल्टीपर्पज हॉल न केवल कॉलेज के विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक गतिविधियों में सहायक होगा, बल्कि खेल और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए भी एक बेहतरीन मंच प्रदान करेगा। इसके अलावा हाल ही में अटेली क्षेत्र को 7.42 करोड़ से 4 नई सड़कों की मंजूरी मिलना तथा आगामी छः माह में इनका कार्य पूरा होना बड़ी उपलब्धि है। पूर्व चेयरमैन ने कहा कि धन्यौदा से सीहोर तथा सुंदरह से बवानिया तक की नई सड़कों का निर्माण होगा। इस सड़क के बनने से लिंक गांवों को लाभ मिलेगा। इन सड़कों से दर्जनों गांवों का सुगम आवागमन होगा। इससे पहले स्वास्थ्य मंत्री ने महेंद्रगढ़ के 100 बैड अपग्रेड करने व नारनौल अस्पताल के दो साल से अटके अस्पताल के भवन का टेंडर हो चुका है। इसके अलावा अटेली अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की सुविधा शुरू होने से क्षेत्र के लोगों को काफी फायदा मिलना शुरू हो गया है।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग तेज: भीम आर्मी की भूख हड़ताल पांचवें दिन भी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

नाबालिग दुष्कर्म पीड़िता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर डॉ. भीमराव आंबेडकर मूर्ति स्थल पर भीम आर्मी एकता मिशन के नेतृत्व में धरना-प्रदर्शन और भूख हड़ताल आज लगातार पांचवें दिन भी जारी रहा। आंदोलनकारियों ने चेतावनी दी है कि आरोपियों की गिरफ्तारी होने तक यह आंदोलन जारी रहेगा। जिला महासचिव आजाद समाज पार्टी कपिलराज आर्यन गोठवाल ने बताया कि भीम आर्मी के पदाधिकारी लगातार पांचवें दिन भी भूख हड़ताल पर बैठे रहे और प्रशासन से आरोपी की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की। भूख हड़ताल पर बैठे पदाधिकारियों में सत्यवान इंदासर (पूर्व भीम आर्मी प्रदेश अध्यक्ष), (भीम आर्मी प्रदेश सचिव), विकास आल्हा (भीम आर्मी जिलाध्यक्ष, झुंझुनूं), सोमबीर आजाद (नवां) (भीम आर्मी तहसील अध्यक्ष, राजगढ़) और मनोज कुमार (नवां) शामिल हैं। कैलाश दास महाराज ने स्पष्ट किया कि जब तक आरोपी गिरफ्तार नहीं हो जाते तब तक धरना-प्रदर्शन और अनशन जारी रहेगा।

सामाजिक संगठनों का मिला समर्थन

इस अवसर पर पीड़ित परिवार की माताजी सुनीता देवी भी उपस्थित रहीं। अनेकों सामाजिक कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने इस मांग को समर्थन दिया। समर्थन देने वालों में मुख्य रूप से कॉमरेड हरिसिंह बेदी, कॉमरेड ओमप्रकाश, कॉमरेड हरिओम, चेतराम जी लिखवा, एडवोकेट हजारीलाल सुनिया, होशियार सिंह पूर्व चेयरमैन पिलानी, मेघराज झेरली, सुभाष मेघवाल (मेघवाल समाज संघ झुंझुनूं), नरेंद्र पूर्व सरपंच खेड़ला, संदीप गोठवाल, रणजीत बिगौदना, कॉमरेड रतन जोगी, अनुराग शर्मा (बिरला स्कूल), शेरसिंह मोरवा, महेश राजपूत, सज्जन महरिया, रवि चंदेलिया, नवीन मालूपुरा, पवन अरडावता, दीपचंद झेरली, प्रमोद किरतान, शीशराम सिलोलिया, सूरजपाल आसपा अध्यक्ष पिलानी, श्रद्धानंद बेरवाल, दीपूराज, तेजपाल, रजत, मुकेश और विजय मेघवाल आदि उपस्थित रहें।

व्यवसायी राधेश्याम भभैवा ने पुत्र की शादी बिना दहेज कर अनुपम उदाहरण किया प्रस्तुत

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

व्यवसायी मंडावा रोड़ फतेहपुर निवासी राधेश्याम भभैवा ने अपने सुपुत्र की शादी में समाज के समक्ष एक मिशाल कायम करते हुए बिना दहेज व बिना बाटके के शादी कर अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। भभैवा के पुत्र सुरेंद्र की शादी लक्ष्मनगढ हाल अजमेर निवासी राजस्थान लोक सेवा आयोग में प्रशासनिक अधिकारी किशोरी लाल चुनवाल की सुपुत्री मोनिका के साथ यहां श्याम शरण मैरिज गार्डन में आयोजित हुई। इस अवसर पर इंडियन ऑयल जोधपुर संभाग प्रमुख जितेन्द्र वर्मा,फतेहपुर विधायक हाकम अली, पूर्व विधायक नंदकिशोर महरिया, भाजपा नेता दिनेश जोशी, वरिष्ठ पार्षद विनोद कटारिया,उधोगपति महेश बागड़ी, महात्मा ज्योतिबा फुले छात्रावास लक्ष्मनगढ के पदाधिकारी सदस्यों सहित प्रबुद्ध जनों ने उपस्थित होकर वर वधू को आशीर्वाद प्रदान किया। इस अवसर पर महात्मा ज्योतिबा फुले संस्थान फतेहपुर के पूर्व अध्यक्ष दीनदयाल भभैवा, इंडियन ऑयल में अधिकारी मुकेश भभैवा, नर्सिंग ओफिसर नरेंद्र भभैवा ने आगंतुकों का स्वागत किया।

राठ रंग महोत्सव: अंतरराष्ट्रीय मंच पर राठ की प्रतिभाओं की धमक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीदरलैंड स्थित साझा संसार फाउंडेशन व राठ की धरा जाट बहरोड़ की पहल साझा संसार फाउंडेशन नीदरलैंड व राठ की धरा जाट बहरोड़ के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय राठ रंग महोत्सव के दूसरे दिन रविवार को राठ क्षेत्र की कला, संस्कृति और साहित्य का भव्य संगम देखने को मिला। नीदरलैंड में रह रहे अप्रवासी भारतीय एवं जाट बहरोड़ गांव निवासी साहित्यकार व कवि डॉ. रामा तक्षक की पहल पर आयोजित इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य राठ क्षेत्र की प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय पटल पर पहचान दिलाना रहा। आयोजन जाट बहरोड़ स्थित भगवती पैलेस में सम्पन्न हुआ। महोत्सव के पहले दिन राठ इलाके के उभरते कवियों व साहित्यकारों के साथ देश के विख्यात साहित्यकारों का संयुक्त काव्य समारोह आयोजित हुआ, जिसमें क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया गया। डॉ. रामा तक्षक के निर्देशन में राठ की सांस्कृतिक झलकियों, प्रतिभा सम्मान, अतिथि सत्कार, अंतरराष्ट्रीय मैक्समूलर अलंकरण, जीवन का साझापन और लोक संस्कृति की वैश्विकता जैसे विषयों के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। देवनागरी लिपि, भारतीय ज्ञान परंपरा, राठ क्षेत्र के इतिहास, तथा भारतीय सिनेमा में राठ की भागीदारी बढ़ाने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में साहित्यकार संतोष चौबे उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता डॉ. रामा तक्षक ने की। सम्मेलन में जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर, मुंडावर विधायक ललित यादव, जाट महासभा अध्यक्ष अमित चौधरी, पीसीसी सचिव बिजेंद्र सिंह महलावत, जाट बहरोड़ सरपंच सुरेंद्र चौधरी, जालावास सरपंच अजीत यादव, फौलादपुर पूर्व सरपंच सुंदरपाल यादव, डॉ. लीलाधर मंडलोई, डॉ. हरिसिंह पाल, डॉ. मीरा गौतम, इतिहासकार एवं कई चिंतक शामिल हुए। मंच संचालन राजकीय महाविद्यालय निवाई, टोंक की सहायक आचार्य हिंदी डॉ. सुमन सिरोहीवाल ने किया कार्यक्रम के दौरान रमेश तक्षक पूर्व सरपंच, अखिलेश शास्त्री, विक्रम महलावत, सुभाष चौधरी (निदेशक, बाबा भगवानदास B.Ed कॉलेज), अशोक तक्षक (उपाध्यक्ष, साझा संसार फाउंडेशन), प्रशासनिक अधिकारी राहुल चौधरी, देव प्रकाश चौधरी, चित्रपाल तक्षक, दीप-दीपिका, महेश मौलावास, ललित डांस अकैडमी सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेज फेडरेशन की नेशनल सोशल जस्टिस समिट सम्पन्न

बैकवर्ड समाज की राष्ट्रीय कन्वेशन में जाति जनगणना व निजी क्षेत्र में आरक्षण पर राष्ट्रीय रणनीति बनाने पर हुआ मंथन: एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल

राज्य इकाइयों का परिचय और राष्ट्रीय मिशन पर गहन चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नई दिल्ली/हिसार।

विजय रंगा(ब्यूरो चीफ) । ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेस फेडरेशन (आईआईबीसीएफ) की नेशनल सोशल जस्टिस समिट राजधानी दिल्ली के राजा राममोहन रॉय हॉल में ऐतिहासिक रूप से सम्पन्न हुई। कार्यक्रम की शुरुआत देशभर से पहुँची केंद्र और राज्य इकाइयों के पदाधिकारियों के परिचय से हुई जिसमें विभिन्न राज्यों द्वारा किए गए संगठनात्मक विस्तार, सदस्यता अभियान और जमीनी स्तर की गतिविधियों की विस्तृत प्रस्तुतियाँ शामिल रहीं। समिट के मुख्य वक्ता फेडरेशन के संस्थापक अध्यक्ष एवं आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस वी. ईश्वरैया रहे। प्रतिनिधियों ने बताया कि शिक्षा, आरक्षण जागरूकता, कानूनी सहायता और सामाजिक भागीदारी बढ़ाने के लिए संगठन ने कई महत्वपूर्ण पहलों को आगे बढ़ाया है।समिट में आईआईबीसीएफ के उद्देश्य, विज़न और मिशन को गांव, ब्लॉक और जिला स्तर तक पहुंचाने की रणनीति पर भी विस्तार से चर्चा हुई। कन्वेशन के मुख्य अतिथि रिटायर्ड जस्टिस वी ईश्वरैया ने अपने संबोधन में कहा की सामाजिक न्याय के विचार को जनांदोलन में बदलने के लिए युवाओं, महिलाओं, छात्रों और स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ताओं को बड़ी संख्या में संगठन से जोड़ना होगा।उन्होंने कहा कि जब तक 87' बहुजन आबादी को उनकी जनसंख्या के अनुरूप अधिकार नहीं मिलते लोकतांत्रिक समानता अधूरी है। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय देश के संविधान की मूल आत्मा है और आरक्षण व प्रतिनिधित्व पर हो रहे हमले न केवल बहुजन समाज बल्कि पूरे लोकतांत्रिक ढांचे के लिए खतरा हैं। उन्होंने मंडल आयोग की सिफारिशों को पूरी तरह लागू करने, जातीय भेदभाव समाप्त करने और अवसरों की समानता सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर बल दिया।समिट के मुख्य सत्र में जाति जनगणना, निजी क्षेत्र में आरक्षण और आबादी आधारित भागीदारी पर गहन विचार-विमर्श हुआ। देशभर के एससी-एसटी-ओबीसी संगठनों, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, शिक्षाविदों और छात्र नेताओं ने प्रतिनिधित्व और समान अवसर के मुद्दों पर साझा रणनीति तैयार की।फेडरेशन के राष्ट्रीय कानूनी सलाहकार एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि समिट में कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित हुए। इनमें 2026 की जाति जनगणना में वैज्ञानिक व पारदर्शी गणना सुनिश्चित करना, निजी क्षेत्र में आरक्षण लागू करवाने के लिए राष्ट्रीय अभियान शुरू करना, तथा विधायिका,न्यायपालिका,कार्यपालिका में आबादी आधारित प्रतिनिधित्व की मांग को सशक्त करना प्रमुख रहा। साथ ही संविधान के अनुच्छेद 15(5) और 16(4) में संशोधन कर ओबीसी को उनकी जनसंख्या के अनुपात में आरक्षण देने की मांग को और तीव्र करने का निर्णय लिया गया।इसके अलावा स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों की भागीदारी को अनिवार्य बनाने और मंडल कमीशन की शेष सिफारिशों को तत्काल लागू करने का संकल्प भी व्यक्त किया गया।प्रतिनिधियों ने कहा कि बहुजन समाज का देश निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान रहा है लेकिन संवैधानिक अधिकारों और प्रतिनिधित्व की कमी अभी भी बनी हुई है जिसे दूर करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर एकजुट आंदोलन की आवश्यकता है। एडवोकेट खोवाल ने कहा कि यह समिट सामाजिक न्याय की दिशा में एक निर्णायक कदम है और आने वाले वर्षों में आईआईबीसीएफ बहुजन समाज की आवाज़ को और अधिक संगठित व प्रभावी रूप देगा। इस मौके पर कन्वेशन में हंसराज जांगिड वर्किग प्रेसिडेंट ,हरीश मंडल जनरल सेक्रेटरी,श्रीकांत पाल जनरल सेक्रेटरी सहित ऑल इंडिया बैकवर्ड क्लासेज फेडरेशन की समस्त कार्यकारिणी ने भी अपना संबोधन दिया।

भीम प्रज्ञा कविता

संघर्ष ही तराना

तुम कोई स्वर्ग लोक में नहीं हो,
जहाँ सुंदरियाँ मदिरा संग बैठी हों।
तुम मृत्यु लोक में हो, धरती पर,
यहाँ पसीना बहाना पड़ता है हर पहर।

सपनों में मत खोओ, जागो ज़रा,
यहाँ रोटी कमानी है, करना है धरा।
दुख आएगा, हँसकर झेलो,
गिरोगे तो फिर से खेलो।

जीवन कोई नाच-गाना नहीं,
यहाँ संघर्ष ही तराना सही।
तो सिर उठाकर चलो, मुस्कान रखो,
मृत्यु लोक में हो – सहना सीखो!

क्षमा राव, मुंबई कवयित्री

भीम प्रज्ञा कविता

सुखद संयोग

तुम्हारे जीवन का सबसे सुखद संयोग
जब प्रेम के प्रलेपन से
सबसे दुखद संयोग बन जाये
तब जान लेना की तुमने प्रेम को पूर्ण जिया
अब प्रेम से मोक्ष ही तुम्हारा मोक्ष है ...

ऐसे अजब संयोगों की अर्थी तुम
काशी ले जाना
मणिकर्णिका घाट की किसी
जलती बेपरवाह चिता में
अपनी सारी वेदना पीड़ा कष्ट और
परवाहे राख कर आना

बैठना वही !!
घंटों देखना उस चिता को जलते हुए
महसूस करना उसकी तपती आँच
को अपने चेहरे पर
और अपने आँसू उसी से सदा के लिए सुखा आना

प्रेम तो तब भी न मिट पाएगा
तुम्हारे अन्तर्मन से
मुट्ठी भर राख आते आते अपने
माथे पर मल
अपने प्रेम को अंतिम श्रद्धांजलि दे आना

डॉ मनीला श्रीवास्तव,जयपुर

बीज विधेयक 2025: संघीय अधिकारों का गला घोंटने तथा खाद्य सुरक्षा, बीज संप्रभुता को नष्ट करने वाला एक और कानून

एसकेएम 8 दिसंबर 2025 को पूरे भारत के गाँवों में बीज विधेयक 2025 के मसौदे की प्रतियाँ जलाने का आह्वान करता है

सरदार लाभ सिंह, जिला फतेहाबाद प्रधान, भारतीय किसान यूनियन (नैन गुट)की अगुवाई में एक प्रतिनिधिमंडल सांसद सुभाष बराला से मिलाव ज्ञापन सौंपा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

विजय रंगा (ब्यूरो चीफ) । कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 12 नवंबर 2025 को बीज विधेयक 2025 का मसौदा जारी किया गया, जिसके लिए सार्वजनिक टिप्पणियों की अंतिम तिथि 11 दिसंबर 2025 निर्धारित है। यह विधेयक पुराने बीज अधिनियम, 1966 को बदलकर गुणवत्ता नियंत्रण और केवल प्रमुख अपराधों पर कड़ी दंड व्यवस्था लागू करने हेतु बनाया गया है। एसकेएम इस प्रतिगामी विधेयक की कड़ी निंदा करता है, जो भारतीय बीज क्षेत्र पर बहुराष्ट्रीय कंपनियों (एमएनसी) और कॉर्पोरेट का वर्चस्व स्थापित करेगा, खाद्य सुरक्षा व बीज संप्रभुता को गंभीर रूप से कमजोर करेगा और राज्यों के संघीय अधिकारों को कुचल देगा। अतः एसकेएम इसकी तत्काल वापसी की मांग करता है।इनके माध्यम से बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ अपने नए बीजों का भारत के बाहर ही स्वयं मूल्यांकन कर सकते हैं और फिर उन्हें भारत में पेश कर सकते हैं, जिससे भारतीय बहु-स्थान ड्ढष्ट परीक्षण प्रणाली को दरकिनार किया जा सकता है। इसके अलावा, यह राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकरण की निगरानी से बाहर संसाधनों के आवागमन के लिए कानूनी रास्ता खोलता है। आयातित बीजों के भारतीय पर्यवेक्षण में परीक्षण की कोई प्रावधान नहीं है, जो संवेदनशील बीज क्षेत्र को विदेशी कंपनियों के हाथ सौंपने में सरकार की अधीनता दर्शाता है। बीज मूल्य विनियमन से जुड़े प्रावधान भी निजी बीज कंपनियों को लाभ देने वाले हैं, जो शोषणकारी मूल्य निर्धारण करती हैं। धारा 22 कहती है कि केंद्र सरकार केवल 'आपात परिस्थितियों' में ही मूल्य नियंत्रित कर सकती है। आपात स्थिति को 'बीजों की कमी, कीमतों में असामान्य वृद्धि, एकाधिकार मूल्य निर्धारण या मुनाफाखोरी' जैसे अस्पष्ट शब्दों में परिभाषित किया गया है। दूसरी ओर, मामूली अपराध वह है जिसमें बीज की बिक्री 'केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य से अधिक' पर की जाती है। इन प्रावधानों में स्पष्टता का अभाव है: बीज कमी का मतलब क्या है? क्या कीमत असामान्य मानी जाएगी? केंद्र सरकार क्या मूल्य निर्धारित करती है? यह अस्पष्टता निजी कंपनियों को शोषणकारी मूल्य जारी रखने और कृषि संकट बढ़ाने की छूट देती है।

एसकेएम पूरे देश के किसानों से इस प्रतिगामी विधायी सुधार के खिलाफ संगठित होने का आह्वान करता है, जो बीज क्षेत्र का निजीकरण, भारतीय जैव विविधता पर एमएनसी लाभार्जन और खाद्य सुरक्षा व बीज संप्रभुता को नष्ट करेगा। यदि इसे लागू होने दिया गया, तो बेयर, बीएएसएफ, सिंगेंटा, एडवांटा इंडिया, कॉर्टेवा एग्रीसाइंस इंडिया, महायको जैसी कंपनियाँ भारतीय बीज क्षेत्र व कृषि उत्पादन पर नियंत्रण कर लेंगी और किसान-आधारित कृषि को नष्ट कर देंगी। एसकेएम किसानों से अपील करता है कि 8 दिसंबर 2025 को अपने गाँवों में बीज विधेयक की प्रतियाँ जलाकर संघीय अधिकारों और बीज संप्रभुता की रक्षा करें।

बीकानेर में 'याशिका ट्रेंड्स' का भव्य उद्घाटन: कांग्रेस नेताओं ने युवा उद्यमी सुरेश प्रजापत को दी शुभकामनाएँ

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । युवा व्यवसायी सुरेश प्रजापत के नए व्यावसायिक प्रतिष्ठान 'याशिका ट्रेंड्स' का आज भव्य उद्घाटन किया गया। बीकानेर की राजनीति और सामाजिक जगत की कई प्रमुख हस्तियों ने इस कार्यक्रम में शिरकत की और प्रजापत को उनके नवीन उद्यम के लिए हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। बीकानेर जिला प्रमुख मोडाराम मेघवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में समारोह में भाग लिया। प्रतिष्ठान के मालिक सुरेश प्रजापत ने स्वागत की परंपरा निभाते हुए कांग्रेस शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल और कांग्रेस देहात अध्यक्ष विशनाराम सियाग का विशेष रूप से सम्मान किया। प्रजापत ने दोनों प्रमुख नेताओं को साफा पहनाकर और शॉल भेंट कर उनका आदर-सत्कार किया। उपस्थित अतिथियों ने युवा उद्यमी सुरेश प्रजापत के इस व्यावसायिक प्रयास की भूरी-भूरी सराहना की। अतिथियों ने प्रजापत परिवार द्वारा दिए गए मान-सम्मान और स्नेह के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। यह उद्घाटन समारोह बीकानेर के व्यावसायिक क्षेत्र में एक नई शुरुआत का प्रतीक बन गया है। क्या आप इस समाचार में 'याशिका ट्रेंड्स' में उपलब्ध उत्पादों से संबंधित कोई जानकारी जोड़ना चाहेंगे।

रतनशहर में 'विधायक कप 2025' का आगाज़: माखर पंचायत में ग्रामीण क्रिकेट माहौल में जोश

जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने टॉस उछालकर किया शुभारंभ, युवाओं को दी अनुशासन व कम सोशल मीडिया उपयोग की सीख

भीम प्रज्ञा न्यूज़.रतनशहर।

रतनशहर युथ क्लब के तत्वावधान में रविवार को विधायक कप रतनशहर-माखर 2025 एकल ग्रामीण क्रिकेट प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन मैच स्पोर्ट्स ज़ोन अशोक नगर और वीर 11 बड़ागांव के बीच खेला गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में माली सैनी समाज संस्था झुंझुनूं के जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री, संगठन मंत्री दलीप सैनी, युथ क्लब अध्यक्ष विक्रम सैनी (रतनशहर), मीडिया प्रभारी नरेश बगड़, एवं सुरेश सैनी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष महेन्द्र शास्त्री ने टॉस कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया और दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। मुख्य अतिथि महेन्द्र शास्त्री ने खिलाड़ियों से अनुशासनपूर्वक खेलने का आग्रह करते हुए कहा कि 'शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए खेल अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने युवाओं से अपील की कि मोबाइल फोन का उपयोग तभी करें जब अत्यंत आवश्यक हो, क्योंकि सोशल मीडिया से बाहर वास्तविक जीवन में सीखने के अनगिनत अवसर मौजूद हैं।

'खेल को खेल की भावना से खेलें '–दलीप सैनी

संगठन मंत्री दलीप सैनी (इस्लामपुर) ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल सदैव खेल की भावना से खेलना चाहिए। उन्होंने युवाओं में बढ़ती सोशल मीडिया की लत पर चिंता जताते हुए कहा कि 'कम से कम 12वीं कक्षा तक के बच्चों को इससे दूर रखें, इसके बढ़ते दुष्प्रभाव समाज में विकृतियां पैदा कर रहे हैं।'

युथ क्लब को बधाई–मीडिया प्रभारी नरेश बगड़

मीडिया प्रभारी नरेश बगड़ ने आयोजन समिति को बधाई देते हुए कहा कि रतनशहर युथ क्लब समय-समय पर युवाओं के शारीरिक विकास हेतु सराहनीय कार्यक्रम करता है, जो वास्तव में प्रशंसनीय है। युथ क्लब के अध्यक्ष विक्रम सैनी (रतनशहर) ने उद्घाटन समारोह में पधारे सभी अतिथियों का धन्यवाद प्रकट करते हुए सफल एवं अनुशासित प्रतियोगिता करवाने का आश्वासन दिया। इस मौके पर सुमेर सिंह इस्लामपुर, कपिल सैनी, युवा नेता सौरभ योगी, पवन जमालपुरिया, जगदेव पूनिया पूर्व पंचायत समिति सदस्य, श्यामलाल मीणा, दीपक गुप्ता, पूर्व वार्ड पंच प्रतापराम सैनी निवेश सैनी इस्लामपुर, राजेश शर्मा,दिनेश कायस्थपुरा पंचायत समिति सदस्य,प्रवीण सैनी सहित बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी उपस्थित रहे।

जगदीश मीणा मनोनीत: 14 दिसंबर की दिल्ली महारैली के लिए कोटपूतली-बहरोड़ के जिला संयोजक

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । कोटपूतली-बहरोड़। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव और पूर्व जिला परिषद सदस्य जगदीश मीणा (पावटा) को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली में आयोजित होने वाली महत्वपूर्ण महारैली के लिए बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें कोटपूतली-बहरोड़ जिले का जिला संयोजक मनोनीत किया गया है। यह महत्वपूर्ण नियुक्ति प्रदेश कांग्रेस कमेटी की सहमति से कोटपूतली-बहरोड़ के जिला अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक इंदरराज गुर्जर ने की है। यह मनोनयन आगामी महारैली की सफलता सुनिश्चित करने की दिशा में कांग्रेस की संगठनात्मक तैयारियों को दर्शाता है। प्रदेश कांग्रेस सचिव जगदीश मीणा ने इस जिम्मेदारी के लिए प्रदेश कांग्रेस कमेटी और जिलाध्यक्ष इंदरराज गुर्जर का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, 'मुझे जो यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिली है, उसे मैं पूरी टीम के साथ मिलकर निभाऊंगा।'

अधिक से अधिक भागीदारी का संकल्प

जगदीश मीणा ने संकल्प लिया कि वे और उनकी टीम कोटपूतली-बहरोड़ जिले से ज्यादा से ज्यादा संख्या में कांग्रेस जनों को दिल्ली रैली में ले जाने का कार्य करेंगे। उन्होंने बताया कि इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए वे जल्द ही टीम के साथियों के साथ मिलकर पूरे जिले का दौरा करेंगे। यह मनोनयन आगामी रैली के लिए जिले में जनसंपर्क और संगठनात्मक कार्यों को गति देगा, जिससे कोटपूतली-बहरोड़ जिले से कांग्रेस कार्यकर्ताओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

14 वर्षीय स्कूली छात्र नेशनल बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान टीम के कोच होंगे शारीरिक शिक्षक महेंद्र बगड़िया

भीम प्रज्ञा न्यूज़.लक्ष्मणगढ़।

69वीं राष्ट्रीय स्कूली 14 वर्षीय छात्र बास्केटबॉल प्रतियोगिता 23 दिसंबर से 28 दिसंबर तक एमएलबी स्कूल कैम्पस जबलपुर मध्यप्रदेश में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता के लिए शारीरिक शिक्षक महेंद्र बगड़िया को निदेशक प्रारंभिक शिक्षा राजस्थान बीकानेर ने राजस्थान टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया। बगड़िया के बास्केटबॉल प्रतियोगिता के लिए राजस्थान का मुख्य कोच नियुक्त होने पर साथी स्टाफ, शारीरिक शिक्षकों, खिलाड़ियों ने प्रसन्नता जाहिर करते हुए बधाई दी है।

जगन्नाथ रथ यात्रा की तैयारियां जोरों पर

भीम प्रज्ञा न्यूज़.चिड़ावा।

श्री हरि कीर्तन प्रभात फेरी समापन के उपरांत कुसुम केडिया के नेतृत्व में महिलाओं की वार्ड वाइज कमेटी बनाई गई, कमेटी में शोभा चौधरी, टीना शर्मा, रितु अमित सूरजगढ़िया, सारदा मालानो, बबीता सूरजगढ़िया, मधुबाला जांगिड़, अनीता चौधरी, मधु रवि शर्मा,सुनीता शर्मा,सुमन मालानी, फूलमती शर्मा, रेखा सैन, मीरा जयप्रकाश वर्मा, शारदा भगत, सरिता वर्मा, मुन्नी यादव, ललिता वर्मा, विद्या वर्मा, सुभिता वर्मा, राजकुमारी तिवारी, नीरू तिवारी, मंजू शर्मा ,संतोष पारिक, योगिता बागड़ी, संपत्ति देवी वर्मा, उर्मिला चौधरी, पूनम वर्मा मानशी बागड़ी सहित वार्ड वाइज महिलाओं की समितियां बनाई गई है। जो कि प्रत्येक वार्ड में जाकर महिलाओं से घर-घर संपर्क करेंगी और उन्हें 11 दिसंबर को आयोजित होने वाली प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा के लिए निमंत्रण पत्र व पीले चावल का वितरण करते हुए सभी को आमंत्रित करेगी।

RV CARE Foundation ने मानवता की अनोखी मिसाल पेश की: लावारिस और बेनाम लोगों की अस्थियों का सम्मानपूर्वक विसर्जन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । दिल्ली उत्तम नगर RV CARE Foundation द्वारा संचालित करुण भवन आश्रम ने मानवता की अनोखी मिसाल पेश की है। फाउंडेशन की टीम ने पिछले एक वर्ष से लगातार लावारिस और बेनाम लोगों की अस्थियों का सम्मानपूर्वक विसर्जन किया जा रहा है। सालभर में RV CARE Foundation ने लगभग 2700 अस्थियां हरिद्वार ले जाकर विधि-विधान से प्रवाहित कीं। सिर्फ कल की तारीख में ही 111 अस्थियों का अंतिम संस्कार कर मानवता की मिसाल कायम की। अब तक कुल 250 से अधिक दिवंगत आत्माओं की अस्थियां हरिद्वार कंखल घाट पर पूरे धार्मिक संस्कारों के साथ प्रवाहित की जा चुकी हैं। उन असहाय लोगों के लिए यह अंतिम सम्मान है–जिनके अपने कोई नहीं थे, लेकिन RV CARE Foundation ने उन्हें कभी अकेला नहीं छोड़ा। हर महीने चलने वाला यह सेवा अभियान आज समाज में प्रेरणा, करुणा और संवेदना का संदेश बन चुका है। टीम ने साबित किया है कि 'सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है।' फाउंडेशन की टीम में रिया सिंह (फाउंडर), हेमन्त कुमार शर्मा, रंजू कुमारी और मनोज भैया शामिल हैं, जो इस सेवा अभियान को सफलतापूर्वक चला रहे हैं।

संभाग स्तरीय ग्रामीण हाट मेला सोमवार से, राज्यमंत्री बाघमार करेंगी उद्घाटन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर,।

सोहनलाल परिहार । जिला प्रशासन एवं महिला अधिकारिता विभाग द्वारा संभाग स्तरीय अमृता हाट मेले का आयोजन जय नारायण व्यास कॉलोनी स्थित ग्रामीण हाट में 8 से 14 दिसंबर तक आयोजित किया जाएगा। महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती मंजू बाघमार सोमवार को इसका उद्घाटन करेंगी। महिला अधिकारिता विभाग की उपनिदेशक डॉ अनुराधा सक्सेना ने बताया गया कि अमृता हाट में में राज्य के 41 जिलों की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, आर्टिजन द्वारा निर्मित विभिन्न उत्पादों के स्टॉल ट्राईफाइड, लकड़ी का सामान, कोटा डोरिया की साड़ियों, मनिहारी का सामान, जूतियां, हस्त शिल्प खिलौने, आयुर्वेद उत्पाद, गलीचे, अचार, कशीदाकारी, पेंटिंग, मिट्टी के बर्तन, उस्ता कलाकृति, राजस्थानी खाना-पीना, गुजराती पैक्ड फूड समेत अन्य उत्पाद की स्टॉल्स लगाई जाएगी। प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमो जैसे गणेश वंदना, अग्नि नृत्य, पारंपरिक फैश्न शो, मेक-अप लाइव क्लासेज, नेल आर्ट एवं बेकिंग क्लासेज (लाइव), मिस अमृता प्रतियोगिता, आशाएं-द जेल बैंड प्रस्तुति अमृता शेफ प्रतियोगिता, सांस्कृतिक संध्या तथा खेल-कूद प्रतियोगिताओं मैजिक शो, ऑपन माइक (पॉइट्री, सिंगिंग) का आयोजन किया जाएगा। मेले में राज्य के 41 जिलो से 80-90 स्वयं सहायता समूह की महिलाएं व आर्टिजंस सम्मिलित होंगे। मेले का समय प्रतिदिन प्रातः 11 बजे से रात्रि 9 बजे तक रहेगा।

'वोट चोर गद्दी छोड़' महारैली के लिए बीकानेर में जनसंपर्क

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर।

सोहनलाल परिहार । बीकानेर जिला कांग्रेस कमेटी (शहर) के अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल का बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 18 के निवासियों द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया। यह सम्मान समारोह कांग्रेस के मजबूत साथी आजम अली कुरैशी के नेतृत्व में आयोजित हुआ। वार्ड नंबर 18 के वासियों ने शहर कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनने पर मदन गोपाल मेघवाल का गर्मजोशी से स्वागत और सम्मान किया। इस अवसर पर यूथ कांग्रेस जिला महासचिव भीखाराम मेघवाल का भी मान-सम्मान किया गया। दोनों नेताओं ने इस स्नेह और आदर के लिए वार्ड वासियों के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया।सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल ने उपस्थित जनों से आगामी 14 दिसंबर को दिल्ली में प्रस्तावित 'वोट चोर गद्दी छोड़ महारैली' में ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ लेवल पर कांग्रेस को मजबूत करने का आग्रह किया और आगामी निकाय चुनाव में कांग्रेस का बोर्ड बनाने के लिए एकजुट होकर काम करने की अपील की। इस स्वागत कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन और कांग्रेस जन उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप से हाजी समसुदीन, मोहम्मद उस्मान गुर्जर, सुभाषचंद्र मेघवाल, कालूराम, रामलाल जी सियाग, धनेसिंह राजपूत, पुखराज गहलोत, भागीरथ सियाग, आयुब जी, इस्पाक जी आदि गणमान्य लोग शामिल थे।

संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर को श्रद्धांजलि; 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' के मंत्र पर चलने का संकल्प

भीम प्रज्ञा न्यूज़.बीकानेर/कोलायत।

सोहनलाल परिहार । संविधान निर्माता, भारतरत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को उनके 68वें महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर, 6 दिसंबर 2025, शनिवार को कोलायत में भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह अवसर डॉ. अंबेडकर सर्किल, कोलायत में आयोजित एक वैचारिक संगोष्ठी का भी साक्षी बना, जिसका शीर्षक था 'बहुजन समाज के संवैधानिक अधिकार कितने सुरक्षित, कितने स्वीकार '। इस दौरान उपस्थित जनसमूह ने बाबा साहेब के 'शिक्षित बनो, संगठित रहो, संघर्ष करो' के मूल मंत्र पर दृढ़ता से चलने का संकल्प लिया इस महत्वपूर्ण संगोष्ठी में सामाजिक संगठनों, युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने अम्बेडकर सर्किल पर एकत्र होकर बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण और पुष्पांजलि अर्पित की। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य समाज में समतामूलक एवं शोषणमुक्त समाज की संरचना में सहयोगी बनना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मान्यवर प्रो. भग्गाराम ढाल (उपप्राचार्य एवं शिक्षाविद) ने डॉ. अंबेडकर के अमूल्य योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब द्वारा तैयार किया गया विश्व का सबसे बड़ा लिखित संविधान आज भी भारतीय गणराज्य का सही मार्गदर्शन कर रहा है। उन्होंने भावुकता से कहा, '6 दिसंबर को महान सूर्य अस्त हुआ था, लेकिन उनके विचारों की चमक आज तक फीकी नहीं पड़ी है। बाबा साहब भले ही हमें छोड़कर चले गए हों, लेकिन उनके विचार और समाज को दिए गए अधिकार आज भी जीवंत हैं। '

मुख्य वक्ता मान्यवर प्रो. राजेंद्र मेघवाल (उपप्राचार्य एवं समाज सेवी) ने डॉ. अंबेडकर के मूल मंत्र को अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समाज को बाबा साहेब की विचारधारा का पालन करते हुए 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो' के मंत्र पर दृढ़ता से चलना चाहिए। मेघवाल ने विशेष रूप से दलित समाज को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में सामूहिक पहल करने की आवश्यकता पर जोर दिया। विशिष्ट वक्ता मान्यवर कैलाश चंदेल (सामाजिक कार्यकर्ता) और मान्यवर ताराचंद मेघवाल (युवा संगठन नेता) ने भी अपने विचार व्यक्त किए और डॉ. अंबेडकर के दिखाए मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। इस श्रद्धांजलि सभा और संगोष्ठी का सफल आयोजन डॉ. अम्बेडकर सर्किल संरक्षण समिति, कोलायत (जिला-बीकानेर) द्वारा किया गया, जिसके आयोजक एड. ओमप्रकाश चौहान, एड. कनिष्क दाल, सैंसकरण कटारिया, पवन दाल और हरिकिशन दाल थे। इस अवसर पर भग्गाराम ढाल, राजेंद्र मेघवाल चान्दासर, कैलाश चंदेल, ताराचंद चौहान, ओमप्रकाश भाटिया, पन्नालाल कांटिया, भंवरलाल मेघवाल, व्याख्याता ओमप्रकाश लेखाला, एडवोकेट ओमप्रकाश चौहान व एडवोकेट कनिष्क ढाल, कृषि पर्यवेक्षक संघ जिलाध्यक्ष जगदीश ढाल सहित बड़ी संख्या में युवाओं और गणमान्य नागरिकों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और बाबा साहब को नमन किया। समारोह से पूर्व सर्किल की साफ-सफाई का कार्य सर्किल सेवा समिति के सहयोग से ओमप्रकाश चौहान और कैलाश जयपाल द्वारा किया गया।

राजस्थान में बादलों ने रोकी बर्फीली हवा की रफ्तार:

3 डिग्री तक बढ़ा तापमान, अगले एक सप्ताह शुष्क रहेगा मौसम

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्के बादलों की आवाजाही ने उत्तरी हवा की रफ्तार कमजोर हो गई है। इससे न्यूनतम और अधिकतम तापमान में 3 डिग्री तक की बढ़ोतरी होने से सर्दी कम हो गई है। बाड़मेर के बाद रविवार को चित्तौड़गढ़ में भी दिन का अधिकतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सीकर, फलोदी, चूरू में न्यूनतम तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ोतरी हुई। मौसम विशेषज्ञों ने राज्य में अगले एक-दो दिन इसी तरह का तापमान रहने और राज्य में कोल्ड-वेव से राहत रहने की संभावना जताई है। जबकि अगले एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने का अनुमान जताया है। पिछले 24 घंटे के दौरान रविवार को सबसे कम ?तापमान फतेहपुर में 3.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। फतेहपुर के अलावा लूणकरणसर और माउंट आबू (सिरोही) ऐसे शहर रहे, जहां न्यूनतम तापमान 5 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। सीकर में न्यूनतम तापमान 6.8, चूरू में 6.3, करौली में 6.4, दौसा में 6, सिरोही में 7.3, झुंझुनूं में 7.2, वनस्थली (टोंक) 6.4, चित्तौड़गढ़ में 8.3, उदयपुर में 8.6, श्रीगंगानगर में 8.5, बारां में 8.9, जालोर, अजमेर में 8.8, भीलवाड़ा में 8.6, पिलानी में 7.6, जयपुर में 10.6 और कोटा में 9.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

संक्षिप्त समाचार

बाब-अल-मंदेब में मालवाहक जहाज पर समुद्री लुटेरों का हमला

दुबई, एजेंसी। दुबई के पास बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में शुक्रवार को एक मालवाहक जहाज पर संदिग्ध समुद्री लुटेरों ने हमला किया। ब्रिटिश सैन्य के यूके मेरिटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर के अनुसार, छोटे जहाजों ने बड़े पोत का दूर तक पीछा करने के बाद उस पर गोलीबारी की। निजी सुरक्षा कंपनी डायप्लस ग्रुप ने बताया कि जहाज पर दो बार हमला होने के बाद ही सवार सशस्त्र गार्डों ने जवाबी फायरिंग की। हालांकि, इस हमले में किसी भी क्रू को नुकसान नहीं पहुंचा है। बता दें कि यह मार्ग लाल सागर और अदन की खाड़ी को जोड़ता है। यहां पहले यमन के हूती विद्रोहियों और सोमालियाई समुद्री लुटेरों की गतिविधियां देखी गई थीं। फिलहाल गाजा संघर्ष में अस्थायी युद्धविराम के कारण हूती हमले रुके हुए हैं।

सीरिया में अमेरिकी छापे में चूक के चलते आईएस अधिकारी की जगह मारा गया खुफिया एजेंट

दमिश्क, एजेंसी। पश्चिम एशियाई देश- सीरिया के डुमेयर में अमेरिकी छापे में चूक के चलते आईएस अधिकारी की बजाय एक खुफिया एजेंट मारा गया। अक्तूबर में एक अमेरिकी छापे में इस्लामिक स्टेट (आईएस) के अधिकारी को निशाना बनाया गया था, लेकिन इसके बजाय वर्षों से आईएस में घुसपैठ कर खुफिया जानकारी जुटा रहे खुफिया एजेंट खालिद अल-मसूद की जान चली गई। परिवार और सीरियाई अधिकारियों ने बताया कि अल-मसूद अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा की सरकार के लिए काम कर रहे थे। विशेषज्ञों का मानना है कि यह गलती आईएस-विरोधी अभियानों के लिए बड़ा झटका हो सकती है। इस बीच अमेरिकी सेनाओं ने दक्षिण सीरिया में आईएस के 15 हथियार भंडार को एक अभियान के तहत खत्म किया है।

स्पेन में स्वाइन फ्लू का प्रकोप, मलयेशिया में सूअर के मांस के आयात पर प्रतिबंध

मैड्रिड , एजेंसी। मलयेशिया ने स्पेन में अफ्रीकन स्वाइन फ्लू (एएसएफ) के प्रकोप के बाद स्पेन से सूअर के मांस और उससे बने अधिकांश उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया है। केवल रिपोर्ट उत्पादों को इस प्रतिबंध से छूट दी गई है। वायरस पिछले महीने बार्सिलोना के पास जंगली सूअरों में पाया गया था और इसके बाद कई और मामले सामने आए। मलेशियाई वेटरनरी सर्विसेज विभाग ने कहा कि स्पेनिश सुअर तभी स्वीकार किया जाएगा जब उसके साथ 28 नवंबर या उससे पहले जारी स्वास्थ्य प्रमाण पत्र हो।

क्लाउडफ्लेयर नेटवर्क में खराबी से ठप रहीं लिंक्डइन-जूम साइटें

वाशिंगटन, एजेंसी। इंटरनेट अवसंरचना कंपनी क्लाउडफ्लेयर में खराबी के कारण शुक्रवार को लिंक्डइन व जूम सहित कई वैश्विक वेबसाइटें ठप रहीं। कंपनी ने कहा कि वह तकनीकी खामी की जांच कर रही है। क्लाउडफ्लेयर की तरफ से मुहैया कराई जा रही सेवाओं में तीन हफ्ते से भी कम समय में दूसरी बार खामी आई है। क्लाउडफ्लेयर ने दावा किया कि समस्या का समाधान हो गया है। वह क्लाउडफ्लेयर डैशबोर्ड और संबंधित एप्लिकेशन प्रोग्रामिंग इंटरफेस (एपीआई) के साथ समस्याओं की जांच कर रही है जो सॉफ्टवेयर प्रणाली को एक दूसरे के साथ समन्वय करने में सक्षम बनाते हैं। इस बीच, सोशल मीडिया मंच पर उपयोगकर्ताओं ने वेबसाइट इस्तेमाल करने में आने वाली समस्याओं की सूचना दी।

यूक्रेन युद्ध पर शांति वार्ता सफल हुई तो भी पुतिन के खिलाफ वारंट नहीं हटेगा : आईसीसी

वाशिंगटन, एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) की उप अभियोजक नजहत शमीम खान ने कहा कि यूक्रेन युद्ध को लेकर शुरू हुई शांति वार्ताओं के सफल होने पर भी रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खिलाफ जारी गिरफ्तारी वारंट खत्म नहीं होगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अदालत की जांच तभी रोकी जा सकती है जब संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इसे अस्थायी तौर पर स्थगित करने का अनुरोध करे। खान ने कहा, जब एक बार जांच शुरू हो जाती है, तो हम अपने नियामक ढांचे के तहत ही आगे बढ़ते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि न्याय और शांति एक-दूसरे के पूरक हैं। स्थायी शांति के लिए जवाबदेही जरूरी है। बता दें कि बीते कुछ हफ्तों में अमेरिका, यूक्रेन और रूस के अधिकारी संभावित समझौते पर बातचीत के लिए कई दौर की बैठकों में शामिल हुए हैं। लेकिन खान ने कहा कि आईसीसी की प्रक्रिया इन वार्ताओं से प्रभावित नहीं होगी।

तातीजा में मनोज घुमारिया का ऐतिहासिक नागरिक अभिनंदन, विकास-सेवा-शिक्षा पर उन्होंने रखी बड़ी बातें

ऊँट-घोड़ी की धुनों के बीच मनोज घुमारिया का जोरदार स्वागत, तातीजा में दी अंबेडकर लाइब्रेरी की सौगात

'सेवा ही मेरा संकल्प ' मनोज घुमारिया

खेतड़ी का विकास मेरी जीवन प्राथमिकता '

भीम प्रज्ञा न्यूज़ खेतड़ी।

विधायक प्रत्याशी, भामाशाह, पर्यावरण प्रेमी और 'मदद फाउंडेशन' के संस्थापक मनोज घुमारिया का खेतड़ी विधानसभा क्षेत्र के तातीजा गांव में रविवार को अभूतपूर्व नागरिक अभिनंदन किया गया। गांव की सीमा से कार्यक्रम स्थल तक उनकी आगवानी ऊंट-घोड़ी की पारंपरिक बग्गी में की गई। डीजे की धुन पर थिरकते युवा, सड़कों पर उमड़ी भीड़ और ऊंट-घोड़ी के करतब पूरे मार्ग में आकर्षण का केंद्र रहें। सभा स्थल पहुँचने पर ग्रामीणों ने घुमारिया का 51 किलो की भव्य माला पहनाकर एवं पारंपरिक साफा बांधकर स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिरंजीलाल कसाना ने की।

निस्वार्थ सेवा भावना-जनता का विश्वास

ग्रामीणों का कहना था कि मनोज घुमारिया वर्षों से बिना भेदभाव समाज के हर वर्ग की मदद करते आए हैं। उनकी स्वच्छ कमाई का अधिकतर हिस्सा समाज सेवा में लगता है, यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है,-ग्रामीणों ने कहा कि जो लोग पिछली बार उनके साथ नहीं थे, उन्होंने भी गलती स्वीकारते हुए भविष्य में घुमारिया के साथ खड़े रहने का संकल्प मंच से व्यक्त किया। यह बदलाव उनके प्रति बढ़ते जनविश्वास को दर्शाता है।

विधायक प्रत्याशी मनोज घुमरिया को सर्व समाज द्वारा 51 किलो की माला पहनाकर नागरिक अभिनंदन करते हुए तातीजा निवासी।

मनोज घुमरिया का महिला समूह द्वारा पुष्प भेंट करने की उमड़ी भीड़।

तातीजा में समाजसेवी मनोज घुमरिया को बग्गी घोड़ी पर बैठकर नागरिक अभिनंदन करते हुए ग्रामीण।

मनोज घुमरिया के नागरिक अभिनंदन समारोह में राजस्थानी संस्कृति के ऊंट नृत्य का करतब दिखाते हुए।

अंबेडकर लाइब्रेरी और प्रतिमा की घोषणा-शिक्षा को मिली बड़ी सौगात

अपने संबोधन में मनोज घुमारिया ने कहा कि खेतड़ी के विकास का सपना मेरी जीवन यात्रा की प्रेरणा है। सेवाकार्य मेरा धर्म है और शिक्षा समाज को उठाने का सबसे बड़ा माध्यम। उन्होंने तातीजा में डॉ. भीमराव अंबेडकर लाइब्रेरी स्थापित करने की घोषणा की, ताकि गांव के बच्चे और युवा सशक्त बन सकें। साथ ही गांव में डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा लगाए जाने की घोषणा भी की। उन्होंने कहा कि अंबेडकर के विचार शिक्षा, समानता और जागरूकता के स्तंभ हैं। गांव में उनकी प्रतिमा युवाओं को प्रेरणा देगी। '

घुमारिया कोचिंग-सैकड़ों बच्चों के सपनों की नई शुरुआत

मनोज घुमारिया ने बताया कि वह पिछड़े और जरूरतमंद परिवारों के बच्चों के लिए निःशुल्क घुमारिया कोचिंग क्लासेज चला रहे हैं, जहाँ बच्चे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करते हैं। उन्होंने जोर दिया कि

'शिक्षा ही समाज की दिशा बदल सकती है। हर माता-पिता का पहला कर्तव्य है कि वे बच्चों को पढ़ाएं, आगे बढ़ाएं। '

समाजसेवी कार्य-बिना भेदभाव सेवा की मिसाल

मनोज घुमारिया ने कहा कि उनका हर सामाजिक कार्य चाहे मंदिर निर्माण, बोरिंग व्यवस्था, शैक्षिक सहायता हो, पूरी तरह जनसहयोग और समानता के भाव से किया जाता है। उन्होंने साफ कहा कि

'मैं राजनीति में लाभ कमाने नहीं, समाज उठाने आया हूँ। '

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग रहे मौजूद

कार्यक्रम में रविन्द्र सिंह निर्वाण, बंसीधर बजाड़, रामकृष्ण भगत, हवासिंह पोस्ट मास्टर, नानड़राम भक्त, लीलाधर धेड़ड़, सदासुख रोडासर, बाबूलाल सैनी, योगेंद्र धेड़ड़, जगदीश, कैलाश देवता, रमेश खटाना, कृष्ण कुमार, नरेंद्र तुन्दवाल, विनोद बजाड़, सुरेश धेड़ड़, राजेश जलन्द्रा, हर्मेन्द चनानिया, गोकुल मेहरड़ा, नवीन बजाड़ सहित सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों ने मनोज घुमारिया को क्षेत्र के भविष्य का सशक्त नेतृत्व बताते हुए उन्हें आशीर्वाद और समर्थन दिया।

गौसेवा-90 मन चारे का संकल्प

समारोह में घुमारिया ने बताया कि उन्होंने निकटवर्ती गौशाला में 90 मन चारा डलवाया। ग्रामीणों ने उनकी गौसेवा को सराहा और इसे 'निस्वार्थ सेवा' का श्रेष्ठ उदाहरण बताया।

नीरव मोदी की जेल बदलने से ब्रिटेन में मुकदमे की सुनवाई पर असर

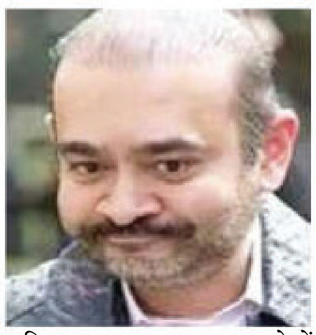

लंदन, एजेंसी। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) घोटाले के आरोपी और भारत में वांछित फरार व्यापारी नीरव मोदी की जेल बदले जाने से ब्रिटेन में बैंक ऑफ इंडिया से जुड़े 80 लाख डॉलर के बकाया ऋण मामले की सुनवाई में नई जटिलताएं पैदा हो गई हैं। वकील ने लंदन हाईकोर्ट को बताया कि नीरव मोदी को अब एक छोटे सेल में दूसरे कैदियों के साथ रहना पड़ रहा है और उनके पास अपने कानूनी दस्तावेजों तक पर्याप्त पहुंच नहीं है, जिससे उनकी केस तैयारी प्रभावित हो रही है। 54 वर्षीय मोदी को हाल ही में एचएमपी थेम्साइड से एचएमपी पेंटनविले स्थानांतरित किया गया था, ताकि वह एक अलग ऋण मामले में अदालत में उपस्थिति दर्ज करा सकें।

जज साइमन टिंकलर को बताया गया कि जनवरी 2026 में निर्धारित मुकदमे से पहले मोदी को अपनी गवाही और बचाव तैयार करने के लिए अधिक समय चाहिए। जज टिंकलर ने टिप्पणी की कि आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध न होने से मोदी निष्पक्ष तरीके से अपनी बात पेश नहीं कर पाएंगे। उन्होंने निर्देश दिया कि थेम्साइड जेल में मौजूद उनके सभी दस्तावेज तुरंत पेंटनविले जेल भेजे जाएं। अदालत ने मामले की अगली समीक्षा सुनवाई 19 दिसंबर को तय की है।

ऑनलाइन सुनवाई में मोदी के वकील ने कहा कि बिना आईटी सुविधा, छोटे सेल और साझा डेस्क की वजह से उनके मुवक्किल को गंभीर असुविधा हो रही है। वहीं बैंक ऑफ इंडिया के वकील ने इस दलील का विरोध करते हुए कहा कि मोदी लगातार देरी की रणनीति अपना रहे हैं और भारत प्रत्यर्पण से पहले ही सुनवाई पूरी हो जानी चाहिए।

2019 से ब्रिटेन में हिरासत में है मोदीः नीरव मोदी 2019 से ब्रिटेन में हिरासत में हैं और अब तक की सभी जमानत याचिकाएं खारिज हो चुकी हैं। भारत में उनके खिलाफ सबीआई, ईडी और गवाहों के साथ छेड़छाड़ से जुड़े तीन प्रमुख आपराधिक मामले लंबित हैं। 2021 में ब्रिटेन ने उनके प्रत्यर्पण को मंजूरी दी थी, लेकिन हाल ही में उनकी अपील दोबारा खोलने की अनुमति मिलने से प्रक्रिया एक बार फिर लंबी हो सकती है।

अमेरिका में अवैध प्रवासियों पर सख्ती बढ़ी, सोमालिया-मैक्सिको के 12 लोग गिरफ्तार

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनियापोलिस में फेडरल एजेंट्स ने इस सप्ताह अवैध रूप से रह रहे लोगों के खिलाफ बड़े पैमाने पर छापेमारी की। इस छापेमारी में 12 लोगों को गिरफ्तार किया। इस कार्रवाई का मुख्य लक्ष्य सोमाली समुदाय के अवैध प्रवासियों पर था, लेकिन गिरफ्तार लोगों में केवल पांच सोमाली थे। बाकी में छह मेक्सिकन और एक एल साल्वाडोर का नागरिक था। बता दें कि मिनियापोलिस-सेन्ट पॉल क्षेत्र में अमेरिका की सबसे बड़ी सोमाली समुदाय रहती है। ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले शिकागो, लॉस एंजिलिस और चार्लोट में भी बड़े पैमाने पर निर्वासन अभियान चलाया था। इसी तरह इस सप्ताह न्यू ऑरलियन्स में भी कार्रवाई की गई है, जहां अधिकारी 5,000 लोगों तक को गिरफ्तार करने की योजना बना रहे हैं।

गिरफ्तार लोगों में कुछ पर पहले से ही मामले दर्ज : मामले में डीएचएस की सहायक सचिव ट्रिशिया मैक्लॉगलिन ने कहा कि गिरफ्तार किए गए 12 लोगों में से अधिकांश सबसे बड़े अपराधी अवैध प्रवासी हैं। इनमें से आठ पर हिंसा, धोखाधड़ी, घरेलू हिंसा और नशे में ड्राइविंग जैसे मामले थे। वहीं मिनियापोलिस के मेयर जैकब फ्रे ने कहा कि शहर की पुलिस फेडरल इमिग्रेशन अभियान में भाग नहीं लेगी। इसके बावजूद डीएचएस की मैक्लॉगलिन ने फ्रे और वाल्ज़ पर आरोप लगाया कि उन्होंने इमिग्रेशन कानून लागू नहीं किया और नागरिकों की सुरक्षा को खतरे में डाला।

ट्रंप की आलोचना और विवाद क्यों : गौरतलब है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में सोमाली प्रवासियों को सार्वजनिक रूप से कचरा कहा। साथ ही कहा कि वे देश के लिए योगदान नहीं करते। उन्होंने मिनेसोटा के डेमोक्रेटिक गवर्नर टिम वाल्ज पर भी आरोप लगाया कि उनके कार्यकाल में सरकारी कार्यक्रमों में धोखाधड़ी हुई और इससे एक सोमाली कट्टरपंथी समूह को धन पहुंचा। इस छापेमारी और ट्रंप की टिप्पणियों की स्थानीय और राज्य अधिकारियों ने तीखी आलोचना की है।

ट्रंप खुश हुए ! अमेरिकी राष्ट्रपति को मिला 'फीफा शांति पुरस्कार', खुद ही उठाकर पहना

वाशिंगटन, एजेंसी। नोबेल शांति पुरस्कार की मांग कर रहे डोनाल्ड ट्रंप को नोबेल तो नहीं लेकिन फीफा शांति पुरस्कार जरूर मिल गया है। फुटबॉल की वैश्विक संस्था अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने नए फीफा शांति पुरस्कार से सम्मानित किया है। यह पुरस्कार खेल से इतर वैश्विक शांति को ध्यान में रखकर बनाया गया है और ट्रंप इसके पहले विजेता हैं।

फीफा ने क्यों दिया यह पुरस्कार : डोनाल्ड ट्रंप का नोबेल शांति पुरस्कार के लिए प्रेम किसी से छिपा नहीं है। ऐसा माना जा रहा है कि फीफा द्वारा इस साल से शुरू किया जा रहा है शांति पुरस्कार ट्रंप को ही मिलेगा। वैसे बी फीफा के वर्तमान अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो को ट्रंप का करीबी माना जाता है। वह कई बार खुले तौर पर इस बात को कह चुके हैं कि गाजा संघर्ष में युद्धविराम करवाने के लिए ट्रंप को नोबेल शांति पुरस्कार मिलना ही चाहिए।

फीफा के अगले विश्वकप के लिए आयोजित किए जा रहे एक कार्यक्रम में जियानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति का स्वागत करते हुए ट्रंप को यह पुरस्कार देने का ऐलान किया। उन्होंने कहा, 'यह आपके लिए एक सुंदर मेडल है, जिसे आप जहां चाहें, वहां पहन सकते हैं।' इसके बाद ट्रंप ने तुरंत ही इसे अपने गले में डाल लिया। इसके साथ ही ट्रंप को एक सर्टिफिकेट भी दिया गया, जिसमें ट्रंप को 'दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने में योगदान' देने वाला बताया गया।

इसके अलावा जियानी ने ट्रंप को एक सोने की ट्राफी भी भेंट की। इस पर आगे ट्रंप का नाम लिखा हुआ था। उन्होंने कहा, 'आप इस शांति पुरस्कार के योग्य हैं, अपनी कोशिशों और उपलब्धियों के लिए। फीफा शांति पुरस्कार मिलने के

बाद ट्रंप उत्साहित नजर आए। उन्होंने कहा, 'यह मेरे जीवन के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है।' इसके बाद उन्होंने अपने परिवार, खासतौर पर अपनी पत्नी मेलानिया का धन्यवाद दिया और मेजबान देशों कनाडा और मेक्सिको के नेताओं की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह तीनों देशों के लिए बेहतर रहेगा।

ट्रम्प ने कहा, 'ये मेरी जिंदगी के सबसे बड़े सम्मानों में से एक है। अब दुनिया पहले से ज्यादा सुरक्षित जगह है।' इन्फेंटिनो ने कहा कि ट्रम्प को ये सम्मान दुनिया में शांति और एकता बढ़ाने के लिए दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प को तो नोबेल पीस प्राइज भी मिलना चाहिए था, खासकर गाजा में युद्धविराम कराने की कोशिशों के लिए। ये पुरस्कार फीफा का पहला शांति पुरस्कार है। फीफा ने अभी तक इसके चयन की प्रक्रिया के बारे में कोई जानकारी नहीं दी है। कई फीफा अधिकारियों को भी ये घोषणा अचानक लगी थी। इससे एक दिन पहले वॉशिंगटन में इंस्टीट्यूट ऑफ पीस का नाम ट्रम्प के नाम पर 'डोनाल्ड जे. ट्रम्प इंस्टीट्यूट ऑफ पीस' कर दिया गया था। यहां कांगो और रवांडा के नेताओं ने ट्रम्प की मौजूदगी में शांति समझौता किया था।

विराट और रोहित के रहने से बढ़ती हैं जीतने की संभावनाएं : गंभीर

2027 विश्वकप तक दोनो के खेलने की उम्मीद बनी

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की जमकर प्रशंसा करते हुए है कि इनके रहने से टीम की जीत की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर ये फिट रहते तो टीम के साथ बने रहेंगे। गंभीर के इस बयान से साफ है कि रोहित और विराट के 2027 विश्वकप में खेलने की संभावनाएं बरकरार है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में मिली जीत के बाद गंभीर ने कहा है कि रोहित और विराट की मौजूदगी से भारतीय टीम के जीतने की संभावनाएं काफी बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि भले ही अब ये दोनो एक ही प्रारुप खेलते हैं फिर भी इनकी लय बनी हुई है। ऐसे में एकदिवसीय प्रारुप में इन दोनो खिलाड़ियों का योगदान टीम के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। । गंभीर ने साफ किया कि 2027 विश्व कप के लिए दोनों खिलाड़ियों की उपयोगिता कम नहीं होगी, बल्कि और बढ़ेगी।

गंभीर ने कहाः ये दोनो ही उच्च गुणवत्ता वाले खिलाड़ी हैं। लंबे समय से भारत के लिए वही करते आ रहे हैं जो टीम को चाहिए। उनका लंबा अनुभव ड्रेसिंग रूम में बेहद महत्वपूर्ण है। उम्मीद है कि वे आगे भी टीम को वही स्थिरता देंगे।' उनके इस बयान से साफ है कि 2027 विश्व कप की योजनाओं में दोनों दिग्गजों की जगह बनी हुई है।

गंभीर के इस बयान से उन बातों पर विराम लग गय है जिसमें कहा गया था कि उनकी कोहली और रोहित से नहीं बन रही है। । इसके बीच चयन और योजनाओं को लेकर मतभेद बताये गये थे पर अब गंभीर के इस बयान से लगता है सबस कुछ सामान्य है।

ये भी कहा जा रहा है कि रोहित-कोहली ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया औरा अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर गंभीर को अपना रुख बदलने पर मजबूर कर दिया था। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया वहीं विराट ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ जबरदस्त प्रदर्शन किया है।

गंभीर के बयान से तय है कि अगर इन दोनो की फिटनेस और फार्म सही रहते हैं तो ये दोनो 2027 विश्व कप में खेलते नजर आ सकते हैं।

पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीता

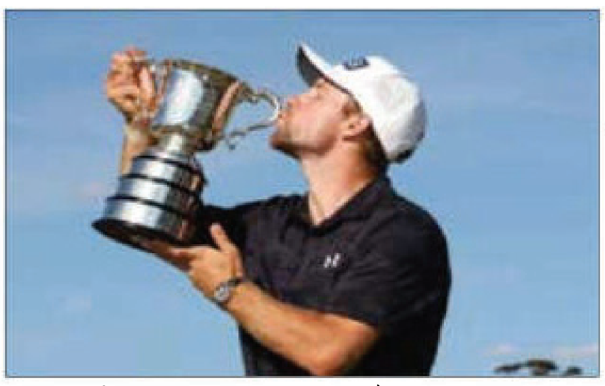

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न (ईएमएस)। जर्मनी के रासमुस नीरगार्ड-पीटर्सन ने ऑस्ट्रेलियन ओपन गोल्फ खिताब जीत लिया है। ये पीटर्सन का पहला बड़ा खिताब है। उन्होंने करीबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाड़ी कैमरन स्मिथ को पीछे छोड़ा। प्राप्त जानकारी के अनुसार 72वें होल तक नीरगार्ड-पीटर्सन और स्मिथ दोनों 15-अंडर के स्कोर साथ ही बराबरी पर थे पर इसके बाद पीटर्सन ने एक शॉट से जीत हासिल कर ली।

पीटर्सन ने 67, 66, 66 और 70 के राउंड खेलते हुए कुल 15-अंडर 269 का स्कोर बनाया। वहीं स्मिथ अंतिम दौर की शुरुआत दो शॉट पीछे से करते हुए 10वें होल तक बढ़त भी ले चुके थे, लेकिन 12वें होल की बोगी से संतुलन बिगड़ गया और दोनों फिर बराबरी पर आ गए पर अंतिम पुट डालते ही मुकाबला बदल गया।

वहीं ऑयरलैंड के रॉरी मैकइलरॉय ने अंतिम दिन 69 का राउंड खेला और संयुक्त रूप से 10वें स्थान पर रहे। मैकइलरॉय ने कहा कि ऑस्ट्रेलियन ओपन को बेहतर तारीख मिलनी चाहिए ताकि दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी यहां आ सकें। ऑस्ट्रेलियन ओपन के विजेता को अगले साल के मास्टर्स टूर्नामेंट में सीधे प्रवेश मिलता है।

रिटेंशन पर्स की वजह से केकेआर ने आंद्रे रसेल को किया रिलीज

– रिटायरमेंट और कोचिंग भूमिका पर हुई चर्चा

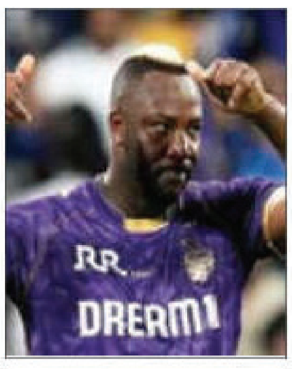

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 की मिनी नीलामी से ठीक पहले कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने अपने सबसे बड़े मैच-विजेताओं में से एक आंद्रे रसेल को रिलीज करने का बड़ा फैसला किया। इस निर्णय ने क्रिकेट जगत और फैंस को हैरान कर दिया, क्योंकि रसेल सालों से केकेआर के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में गिने जाते रहे हैं। फ्रैंचाइज़ी के सीईओ वेंकी मैसूर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में इस फैसले के पीछे की पूरी कहानी और उससे जुड़े भावनात्मक पल साझा किए।

मैसूर ने बताया कि रसेल को रिलीज करने की सबसे बड़ी वजह रिटेंशन स्लैब्स से जुड़ा वित्तीय ढांचा था। भले ही रसेल का कॉन्ट्रैक्ट मूल्य 12 करोड़ रुपये था, लेकिन 2025 सीजन के लिए उन्हें रिटेन करने पर केकेआर के पर्स से 18 करोड़ रुपये कटने थे। उन्होंने कहा कि यह राशि नीलामी रणनीति के लिहाज से बेहद भारी थी और टीम को बाकी संयोजन मजबूत करने में मुश्किल पैदा कर सकती थी। उन्होंने कहा, 'कई लोग समझ नहीं पाए कि असल कटौती 18 करोड़ की थी, 12 करोड़ की नहीं। लोग सोच रहे थे कि केकेआर 12 करोड़ के खिलाड़ी को क्यों छोड़ेगी, लेकिन नीलामी के संदर्भ में 18 करोड़ बहुत बड़ी रकम है। यही मुख्य कारण था।'

मैसूर ने आगे बताया कि जब यह निर्णय रसेल के साथ साझा किया गया, तो वह भावुक हो गए। 2014 में केकेआर से जुड़ने के बाद रसेल कभी भी नीलामी पूल में नहीं गए थे। उन्होंने स्वीकार किया कि अचानक नीलामी का हिस्सा बनने का विचार उनके लिए मानसिक रूप से बहुत भारी था। मैसूर के अनुसार, रसेल ने उनसे कहा, 'मैंने कई रातें बिना सोए बिताईं, सोचता रहा कि आगे क्या होगा। मैं पर्पल-गोल्ड जर्सी और नाइटराइडर्स परिवार से बहुत जुड़ गया हूं।'

ऑस्ट्रेलिया ने दूसरे एशेज टेस्ट में इंग्लैंड को आठ विकेट से हराया

–सीरीज में 2–0 की बढ़त हासिल की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने गुलाबी गेंद से खेले गये एशेज सीरीज के दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में इंग्लैंड को आठ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में मेजबान ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 65 रनों का लक्ष्य मिला था जो उसने आसानी से दो 2 विकेट खो कर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया की ओर से ट्रैविस हेड ने तेज 22 रन बनाए, जबकि स्टीव स्मिथ ने 9 गेंदों में 23 रन बना दिये। स्मिथ ने अपनी पारी में दो चौके और दो छक्के जमाए। जेक वेदराल्ड 17 रन बनाकर पर नाबाद लौटे। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट पर 69 रन आसानी से मैच जीत लिया

इस मैच में इंग्लैंड ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया था और 334 रन का स्कोर बनाया था। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने 511 रन बनाकर पहली पारी में 177 रन की बढ़त बना ली और दूसरी पारी में इंग्लैंड को 241 रन पर समेट था। ऐसे में मैच के चौथे दिन ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए 65 रन का आसान लक्ष्य मिला जिसे ऑस्ट्रेलिया ने दो विकेट खोकर हासिल कर लिया इस मैच में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और माइकल नेसर ने इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी पूरी तरह तहस-नहस कर दी। स्टार्क ने मैच में कुल 8 विकेट झटके, जबकि नेसर ने 6 बड़े लेकर इंग्लैंड को दोनों पारियों में संभलने का अवसर नहीं दिया। इसी कारण जो रुट के यहां लगाये पहले शतक के बाद भी मेहमान टीम संभल नहीं पायी।

इंग्लैंड की पहली पारी में रूट ने 138 रन बनाये। उनकी इस पारी से इंग्लैंड टीम सम्मानजनक स्कोर तक पहुंच पायी पर अन्य बल्लेबाजों के असफल होने से टीम को नुकसान हुआ। स्टार्क ने 6 विकेट लेकर इंग्लैंड को 334 रन पर रोक दिया और मैच पर ऑस्ट्रेलिया की पकड़ मजबूत कर दी।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों ने पहली पारी में विरोधी गेंदबाजों पर दबाव बनाये रखा और 511 रनों का बड़ा स्कोर बनाया। जेक वेदराल्ड ने 72, लाबुशेन ने 65, स्टीव स्मिथ ने 61 और एलेक्स कैरी ने 63 रन की शानदार पारियां खेलीं। इन सबके अलावा मिचेल स्टार्क ने भी 77 रन बनाकर इंग्लैंड पर दबाव बना दिया। इंग्लैंड की ओर से केवल ब्राइडन कार्स ही 4 विकेट ले पाये। इंग्लैंड की टीम दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी में विफल रही और । केवल 241 रन पर ही बना पायी। कप्तान बेन स्टोक्स ही 50 और विल जैक्स ही 41 रन बना पाये । वहीं अन्य सभी बल्लेबाज विफल रहे।

अब 9 दिसंबर से टी20 सीरीज में आमने–सामने होंगे भारत और दक्षिण अफ्रीका

मुम्बई । भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच अब 9 दिसंबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी । दोने के बीच अब तक टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज सीरीज हुई है । इसमें दक्षिण अफ्रीका ने टेस्ट जबकि भारतीय टीम ने एकदिवसीय सीरीज जीती है । ऐसे में अब दोनो ही टीमों के बीच टी20 सीरीज में रोमांचक मुकाबला देखने को मिलेगा । भारतीय टीम टी20 सीरीज में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी । पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला 9 दिसंबर को कटक के बाराबती स्टेडियम में जबकि दूसरा मुकाबला 11 दिसंबर को न्यू चंडीगढ़ में खेला जाएगा । तीसरा मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा । चौथा मुकाबला 17 दिसंबर को लखनऊ जबकि अंतिम मुकाबला 19 दिसंबर को अहमदाबाद में होगा । आंकड़ों की बात करें तो दोनो ही टीमों के बीच अब तक 31 मुकाबले खेले गए हैं । इनमें से 18 मैचों में भारतीय टीम जबकि 12 मैचों में दक्षिण अफ्रीका जीती है । वहीं एक मुकाबला बराबरी पर रहा है ।

शुभमन गिल फिट, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टी20 में खेलने के लिए तैयार

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला से पहले बड़ी राहत मिली है । टीम के उपकप्तान शुभमन गिल को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) की खेल विज्ञान टीम ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में खेलने की मंजूरी दे दी है । गिल कोलकाता में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान चोटिल हो गए थे, जहां उनकी गर्दन में अचानक तेज अकड़न आ गई थी । चोट के बाद उन्हें दो दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहना पड़ा और उपचार के दौरान इंजेक्शन भी दिया गया। इसी कारण वह मौजूदा वनडे सीरीज में हिस्सा नहीं ले पाए । गिल को टी20 टीम में फिटनेस के आधार पर चुना गया था और इसके लिए उन्हें लंबी रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरना पड़ा । उन्होंने सीओई में निर्धारित सभी रिकवरी प्रोटोकॉल पूरे किए, जिसमें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग, फिजियोथैरेपी, फंक्शनल फिटनेस टेस्ट और प्रदर्शन मूल्यांकन शामिल थे । इन सभी चरणों में सफल होने के बाद विशेषज्ञों ने उन्हें खेल में वापसी (आरटीपी) के लिए पूरी तरह उपयुक्त पाया । सीओई की ओर से टीम प्रबंधन को भेजे पत्र में कहा गया है कि शुभमन गिल ने रिहैबिलिटेशन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है और वह खेल के सभी प्रारूपों में खेलने के लिए आवश्यक मानदंडों को पूरा करते हैं ।

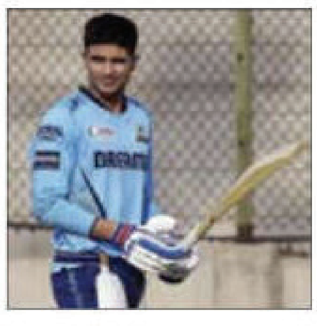

सचिन के 100 शतकों के रिकार्ड की बराबरी कर सकते हैं विराट : गावस्कर

मुम्बई । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने कहा है कि आने वाले समय में विराट कोहली सचिन तेंदुलकर के शतकों के शतक वाले विश्व रिकॉर्ड की बराबरी कर सकते हैं । गावस्कर के अनुसार विराट अपनी जबरदस्त फिटनेस के कारण 2027 विश्वपक के बाद भी खेल सकते हैं । विराट इस समय केवल एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट ही खेल रहे हैं । हाल ही में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 3 मैचों की एकदिवसीय सीरीज में विराट ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। विराट के अभी अंतराष्ट्रीय क्रिकेट में 84 शतक हैं । वे पहले से ही एक प्रारुप में सबसे ज्यादा शतक लगाने बल्लेबाज हैं । गावस्कर ने कहा, अगर वह तीन साल और खेलते हैं तो उसे शतकों का शतक लगाने 16 शतक और चाहिए। कोहली ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवीसय सीरीज में 302 रन बनाए। गावस्कर ने मुकाबले के बाद कहा, जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है उससे उसके लिए कुछ भी संभव है, उसने तीन मैचों की सीरीज में दो शतक बनाए हैं । अब अगर वह न्यूजीलैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज में दो और शतक बनाता है, तो वह 86 तक पहुंच जाएगा । इसलिए उसके 100 तक पहुंचने की काफी संभावनाएं हैं । जिस तरह से वह बल्लेबाजी कर रहा है, उससे लग रहा है कि वह काफी आराम से खेल रहा है । जिस तरह से अंतिम एकदिवसीय में बल्लेबाजी की उससे उसके अच्छे फार्म का अंदाजा होता है । हैं । भारतीय टीम को विश्वकप 2027 तक करीब 35 एकदिवीसय मैच खेलने हैं । ऐसे में उसके लिए 16 शतक लगाना ज्यादा कठिन नहीं है । वहीं अगर वह वर्ल्ड कप के बाद भी खेलता है तो आसानी से 100 शतकों तक पहुंच जाएगा । ये तो ये है कि वह 90 से ज्यादा शतक तक पहुंच जाएगा ।

मुलर पर भारी पड़े मेस्सी, इंटर मियामी को पहला एमएलएस कप खिताब दिलाया

फोर्ट लॉडरडेल (एजेंसी)। थॉमस मुलर ने लियोनेल मेस्सी के साथ लंबे समय से चली आ रही अपनी प्रतिद्वंद्विता में अक्सर बाजी मारी है लेकिन मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) कप फुटबॉल प्रतियोगिता के शनिवार को खेले गए फाइनल में अर्जेंटीना की स्टार की तूती बोली। मुलर और मेस्सी के बीच हुए 10 मुकाबलों में से जर्मनी के स्टार ने सात में जीत हासिल की है। मुलर की मौजूदगी में जर्मन टीम ने विश्व कप में दो बार मेस्सी और अर्जेंटीना को बाहर किया है। लेकिन शनिवार को अर्जेन्टीना के सुपर स्टार ने इंटर मियामी को एमएलएस कप फाइनल में मुलर की वैंकूवर व्हाइटकैप्स पर 3-1 से जीत दिलाई। इस तरह से मेस्सी ने अपने करियर की 47वीं ट्रॉफी के साथ अपने तीसरे मेजर लीग सॉकर सत्र का समापन किया। मेस्सी ने मैच के बाद कहा, ''तीन साल पहले मैंने एमएलएस में आने का फैसला किया और आज हम एमएलएस चैंपियन हैं। पिछले साल हम लीग में जल्दी बाहर हो गए थे लेकिन इस साल एमएलएस जीतना हमारा मुख्य लक्ष्य था।'' मेस्सी ने 72वें मिनट में रोड्रिगो डी पॉल को गेंद देकर गोल करने में मदद की। इसके बाद उन्होंने स्टॉपेज टाइम में एक और गोल करने में योगदान देकर इंटर मियामी को फ्रैंचाइजी इतिहास में पहली बार चैंपियनशिप दिलाई। मेसी और मुलर दोनों ही विश्व कप और चैंपियंस लीग विजेता हैं। दोनों क्लब विश्व कप विजेता भी हैं।

शक्ति और संकल्प का खेल : वेटलिफ्टिंग में भारत की बढ़ती ताकत

नई दिल्ली । वेटलिफ्टिंग सिर्फ वजन उठाने का खेल नहीं, बल्कि यह ताकत, संतुलन और मानसिक दृढ़ता की गहरी परीक्षा है । इसमें मुख्य रूप से स्नैच और क्लीन एंड जर्क दो तकनीकें शामिल होती हैं, जिनके लिए मजबूत मांसपेशियां, लचीला शरीर और आत्मविश्वास जरूरी होता है । आज यह खेल ओलंपिक का एक प्रतिष्ठित हिस्सा है, लेकिन इसकी शुरुआत प्राचीन काल में ताकत मापने की परंपरा से हुई थी । पुराने समय में योद्धा और सैनिक अपनी क्षमता साबित करने के लिए भारी पत्थरों और वस्तुओं को उठाते थे । धीरे–धीरे यह प्रतियोगिता का रूप लेकर ग्रीस, चीन, मिस्र और मेसोपोटामिया सहित कई देशों में लोकप्रिय हो गई । 19वीं शताब्दी के अंत तक यह एक अंतरराष्ट्रीय खेल के रूप में स्थापित हो चुका था । 1896 के एथेंस ओलंपिक में पहली बार वेटलिफ्टिंग को शामिल किया गया । हालांकि कुछ वर्षों 1900, 1908 और 1912 के दौरान इसे जगह नहीं मिली, लेकिन बाकी सभी ओलंपिक में यह लगातार खेला जाता रहा है । भारत ने इस खेल में आधिकारिक रूप से 1936 बर्लिन ओलंपिक में कदम रखा, जब एक साल पहले 1935 में भारतीय भारोत्तोलन महासंघ की स्थापना हुई थी । इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने इस खेल में अपनी पहचान बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाए । महिलाओं ने वेटलिफ्टिंग में 2000 सिडनी ओलंपिक के बाद हिस्सा लेना शुरू किया, और इसी ओलंपिक में भारत की कर्णम मल्लेश्वरी ने 54 किलोग्राम वर्ग में ब्रॉन्ज जीतकर इतिहास रच दिया । उनके बाद 2020 टोक्यो ओलंपिक में मीराबाई चानू ने 49 किलोग्राम भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का गौरव बढ़ाया और वेटलिफ्टिंग के प्रति नई प्रेरणा जगाई ।

महिला क्रिकेट स्टार स्मृति मंधाना की शादी रद्द, सोशल मीडिया पर दी अहम जानकारी

नई दिल्ली । भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उप–कप्तान स्मृति मंधाना ने अपनी निजी जिंदगी को लेकर चल रही अफवाहों पर विराम लगाते हुए पुष्टि की है कि संगीतकार पलाश मुछाल के साथ उनकी शादी रद्द कर दी गई है । उन्होंने प्रशंसकों और मीडिया से आग्रह किया कि इस संवेदनशील समय में दोनों परिवारों की निजता का सम्मान किया जाए । पिछले कुछ सप्ताह से सोशल मीडिया पर उनकी शादी को लेकर कई तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं । इसी पर स्पष्टता लाते हुए मंधाना ने इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैं स्पष्ट करना चाहती हूं कि शादी रद्द कर दी गई है । कृपया इस मामले को यहीं समाप्त करें और हमें आगे बढ़ने के लिए जगह दें ।' 23 नवंबर को होने वाली शादी उनके पिता श्रीनिवास की अचानक तबीयत बिगड़ने और दिल से जुड़ी बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से स्थगित कर दी गई थी । अब मंधाना ने बताया कि परिस्थितियों को देखते हुए शादी को रद्द करने का फैसला लिया गया है । उन्होंने कहा कि वह एक बेहद निजी इंसान हैं, लेकिन लगातार चल रही चर्चाओं और असत्यापित रिपोर्टों के कारण उन्हें खुलकर अपनी बात रखनी पड़ी । साथ ही, उन्होंने यह भी दोहराया कि उनका पूरा ध्यान अब भारत के लिए क्रिकेट खेलने और आगामी अंतरराष्ट्रीय सत्र की तैयारी पर है । गायिका पलक मुछाल ने कुछ दिन पहले इस मुद्दे पर बात की थी और दोनों परिवारों के लिए यह समय बेहद चुनौतीपूर्ण बताया था। सोशल मीडिया पर बढ़ती चर्चाओं की वजह से ही मंधाना को अटकलों का अंत करने के लिए आगे आना पड़ा। करीब एक दशक से भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अहम सदस्य रहीं 28 वर्षीय स्मृति मंधाना ने अंत में लिखा, 'आप सभी के समर्थन के लिए धन्यवाद । अब आगे बढ़ने का समय है ।'

किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं: विराट कोहली

विशाखापत्तनम (एजेंसी)। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 45 गेंद में नाबाद 65 रन की पारी खेलने के बाद कहा कि वह बिना किसी दबाव के खेल रहे हैं। कोहली तीन मैचों की इस श्रृंखला में 302 रन के साथ सर्वोच्च स्कोरर रहे। पहले दो वनडे में शतक जड़ने के बाद तीसरे मैच में भी अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित करने के बाद उन्हें श्रृंखला का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया।

भारत ने शनिवार को दक्षिण अफ्रीका को नौ विकेट से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला को 2-1 से जीता। कोहली ने मैच के बाद पुरस्कार समारोह में कहा, ''ईमानदारी से कहूं तो इस श्रृंखला में मैं जिस तरह से खेला, वह मेरे लिए सबसे संतोषजनक बात है। मैं वास्तव में किसी तरह का दबाव महसूस नहीं कर रहा हूं। मैंने पिछले दो-तीन साल से इस तरह नहीं खेला है।''

उन्होंने कहा, '' मुझे पता है कि जब मैं इस तरह से बल्लेबाजी करता हूं तो यह टीम की बहुत मदद करता है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिलता है कि मैं किसी भी स्थिति को संभालकर मैच का रूख टीम की ओर मोड़ सकता हूं।'' कोहली ने माना कि एक बल्लेबाज के रूप में अनुभव चाहे कितना भी हो लेकिन ऐसे हालात आते हैं जब मन में संदेह होने लगता है।

उन्होंने कहा, '' जब आप इतने लंबे समय तक खेलते हैं (15-16 साल) तो आप कई बार खुद पर संदेह करने लगते हैं। खासकर एक बल्लेबाज के रूप में जब एक गलती आपको आउट करा सकती है। यह एक खिलाड़ी के रूप में बेहतर होने की पूरी यात्रा है। यह आपको एक व्यक्ति के रूप में सुधारता है और यह स्वभाव को भी सुधारता है।''

उन्होंने कहा, ''मुझे खुशी है कि मैं अब भी टीम के लिए योगदान दे पा रहा हूं। जब मैं इस तरह से खुलकर खेलता हूं तो मुझे पता है कि मैं छक्के मार सकता हूं। ऐसी परिस्थिति में आप हमेशा आत्मविश्वास से भरे रहते हैं।'' कोहली ने कहा कि तीन पारियों में से रांची में बनाया गया शतक उनके लिए सबसे खास रहा।

उन्होंने कहा, ''रांची में पहला (शतक) खास रहा क्योंकि मैंने ऑस्ट्रेलिया के बाद कोई मैच नहीं खेला था। रांची मेरे लिए बहुत खास है और मैं बहुत आभारी हूं कि ये तीनों मैच ऐसे रहे।'' भारतीय कप्तान लोकेश राहुल ने कहा कि पहले दो मैचों में ओस के कारण गीली आउटफील्ड में गेंदबाजी करने के बाद गेंदबाजों को ब्रेक देना महत्वपूर्ण था।

राहुल ने दक्षिण अफ्रीका को 270 पर आउट करने पर कहा, ''पहले दो मैचों में हमें कठिन परिस्थितियां मिलीं। ऐसे में गीली आउटफील्ड में गेंदबाजों के लिए ब्रेक मिलना अच्छा था। यह पिच बल्लेबाजी के लिए काफी अच्छी थी लेकिन हम एक साथ कई विकेट चटकाने में सफल रहे।''

भारत की जीत प्रसिद्ध कृष्णा (66 रन पर चार विकेट) और कुलदीप यादव (41 रन पर चार विकेट) का योगदान भी अहम रहा। राहुल ने अपनी गेंदबाजी इकाई की तारीफ करते हुए कहा, ''हम बीच के ओवरों में दबाव बना पाए। प्रसिद्ध ने एक स्पैल में तीन विकेट लिए जो वास्तव में महत्वपूर्ण थे और फिर कुलदीप ने आकर एक ओवर में दो विकेट ले गए। वनडे क्रिकेट में आप इसी तरह टीमों पर दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।''

दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा ने कहा कि उनकी टीम भारत को बड़ा लक्ष्य देने में नाकाम रही। उन्होंने कहा, ''आज हम इसे और भी रोमांचक बनाना चाहते थे। बल्लेबाजी के लिहाज से हमने ज्यादा रन नहीं बनाए। दूधिया रोशनी में खेल आसान हो जाता है। शायद हमें समझदारी से काम लेना चाहिए था क्योंकि हमने जल्दबाजी में विकेट गंवा दिये थे। ''

उन्होंने भारतीय टीम की तारीफ करते हुए कहा, ''भारतीय टीम ने अपनी क्षमता दिखाई। उन्हें बधाई। हम और भी ज्यादा समझदारी से खेल सकते थे। आप अगर पहले दो वनडे देखें तो हमने ऐसा किया। आज शायद हालात अलग थे। आप 50 ओवर के मैच में ऑल आउट नहीं होना चाहते।''

उन्होंने कहा, '' हमारे बल्लेबाजों को अच्छी शुरुआत मिली लेकिन वे इसे भुनाने में नाकाम रहे। क्विंटन (डिकॉक) ने शतक बनाया मैं भी अहम मौके पर आउट हो गया। भारत के पास अच्छे स्पिनर है और उन पर दबाव बनाना कभी आसान नहीं होता है।

ग्रोवेल विवाद पर दक्षिण अफ्रीका कोच कॉनराड की सफाई, गलत शब्द के इस्तेमाल पर मांगी माफी

विशाखापत्तनम । दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुक्री कॉनराड ने भारत के खिलाफ मिली एकतरफा हार और तीन मैचों की वनडे सीरीज 1–2 से गंवाने के बाद अपने विवादित 'grovel' बयान पर सफाई दी है । कॉनराड ने माना कि यह शब्द उनकी टीम की ऐतिहासिक टेस्ट जीत के चमक को फीका कर गया, जबकि उनका इरादा किसी तरह की अहमियत कम करने या अपमान का नहीं था ।

बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म होने पर इमोशनल हुए अहान शेट्टी

सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी अभिनीत बॉर्डर 2 अगले साल आने वाली बॉलीवुड की बड़ी फिल्मों में से एक है। हाल ही में इस फिल्म से पहले वरुण धवन और फिर दिलजीत दोसांझ का लुक सामने आया था। फिल्म की शूटिंग लगातार जारी है, लेकिन कुछ एक्टर्स ने अपना शेड्यूल पूरा कर लिया है। इस फेहरिस्त में अब अहान शेट्टी का नाम भी शामिल हो गया है।

अहान ने पूरी की अपने हिस्से की शूटिंग

अभिनेता अहान शेट्टी ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म बॉर्डर 2 के सेट से कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इन तस्वीरों के साथ अहान ने एक इमोशनल नोट भी लिखा, बॉर्डर 2 की शूटिंग खत्म हो गई। आज सेट से निकलते वक्त दिल बहुत भारी है। इस फिल्म ने मुझे बहुत चुनौती दी और ऐसे यादगार पल दिए जो मैं कभी नहीं भूलूंगा। मैं अपनी फौज, शानदार कलाकारों और पूरी टीम का दिल से शुक्रिया अदा करता हूं- ये टीम अब मेरा परिवार बन गई है।

बॉर्डर 2 को लेकर अहान की राय

अहान शेट्टी ने आगे लिखा, ये फिल्म सिर्फ एक फिल्म नहीं है। इसमें असली बहादुरी, सच्ची देशभक्ति और सच्ची कहानियां हैं। शुक्रिया बॉर्डर 2- ये यादें हमेशा मेरे साथ रहेंगी। जय हिंद।

फिल्म बॉर्डर 2 के बारे में

बॉर्डर 2 को अनुराग सिंह निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में सनी देओल, वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ, और अहान शेट्टी के अलावा मेधा राणा, मोना सिंह, और सोनम बाजवा भी हैं। इसे भूषण कुमार, जेपी दत्ता, और निधि दत्ता ने मिलकर बनाया है। यह फिल्म 1997 की मशहूर फिल्म बॉर्डर का सीक्वल है। पहली फिल्म बॉर्डर 1971 के लोंगेवाला युद्ध पर थी, जबकि बॉर्डर 2 1999 के कारगिल युद्ध की सच्ची घटनाओं पर आधारित है।

विजय देवरकोंडा से शादी की चर्चाओं पर रश्मिका मंदाना ने दी प्रतिक्रिया

पिछले कुछ वक्त से रश्मिका मंदाना काम से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चाओं में बनी हैं। ये चर्चाएं रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा की शादी को लेकर हो रही हैं। लगातार ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि रश्मिका और विजय अगले साल यानी 2026 की शुरुआत में शादी के बंधन में बंध जाएंगे। हालांकि, रश्मिका या विजय ने अब तक इन खबरों की पुष्टि नहीं की है। अब रश्मिका ने अपनी शादी की खबरों पर प्रतिक्रिया दी है। हालांकि, एक्ट्रेस ने पूरी तरह से कुछ भी स्पष्ट नहीं किया है।

रश्मिका ने बताया कब करेंगी कंफर्म

बातचीत के दौरान रश्मिका ने अपनी आगामी फिल्मों और वर्कफ्रंट के साथ-साथ अपनी शादी की चर्चाओं पर रिएक्ट किया। इस दौरान जब रश्मिका से पूछा गया कि क्या वह विजय से अपनी कथित शादी की पुष्टि या खंडन करना चाहती हैं? तो इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि मैं शादी की पुष्टि या खंडन नहीं करना चाहती। मैं बस इतना कहूंगी कि जब इस बारे में बात करने का समय आएगा, तब हम करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने फैंस या मीडिया के साथ कुछ भी साझा करने से पहले थोड़ा समय लेना चाहती हैं। रश्मिका की इस प्रतिक्रिया के बाद दोनों की शादी को लेकर अटकलें और भी तेज हो गई हैं।

अक्सर साथ नजर आते हैं विजय-रश्मिका

रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने साथ में 'गीता गोविंदम' और 'डियर कॉमरेड' जैसी फिल्मों में काम किया है। इसी दौरान दोनों एक-दूसरे के करीब आ गए। इसके बाद से ही दोनों के बीच अफेयर की चर्चाएं आती रहती हैं। दोनों अक्सर कई मौकों पर साथ भी देखा जाता है। दोनों साथ में ही छुट्टियां मनाने भी जाते हैं। हालांकि, इसके बावजूद दोनों ने कभी भी अपने रिश्ते को स्वीकार नहीं किया है।

फरवरी में शादी करने की हैं चर्चाएं

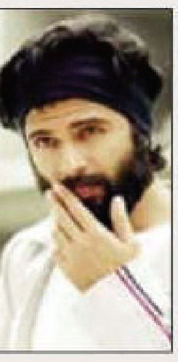

कई मीडिया रिपोर्ट्स में ऐसा दावा किया जा रहा है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी में शादी के बंधन में बंध सकते हैं। दोनों की शादी उदयपुर में होगी। रिपोर्ट्स में यहां तक कहा गया कि रश्मिका शादी की तैयारियों के लिए उदयपुर में इंतजाम तक देखने जा चुकी हैं। रश्मिका और विजय की सगाई की खबरें अक्तूबर में काफी चर्चा में रही थीं। हालांकि, दोनों में से किसी ने भी इन्हें स्वीकार या खारिज नहीं किया और न ही कोई फोटोज सामने आई। लेकिन बाद में विजय की टीम ने पुष्टि की कि दोनों ने सगाई कर ली है।

कलाकार को जीवन भर के संघर्ष के बाद सिर्फ मरने के बाद ही सम्मान मिलता है

साल 2024 में दिलजीत दोसांझ की फिल्म चमकीला आई थी, जोकि पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को कई कैटगिरी में नॉमिननेट किया गया, लेकिन फिल्म एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई। अब दिलजीत ने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म और एक आर्टिस्ट के संघर्ष के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब तक कलाकार जिंदा होता है, तब तक उसे परेशान किया जाता है, लेकिन मरने के बाद उन्हें सम्मान मिलता है।

दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और बताया कि एक कलाकार को सफल बनने के लिए क्या कुछ झेलना पड़ता है। वे वीडियो में कहते हैं, एक कलाकार को अपनी जिंदगी में हर तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और जब तक वो मर नहीं जाता, तब तक लोग उसे महान नहीं कहते हैं और अपना प्यार भी नहीं देते। जब वे मर जाते हैं या चमकीला की तरह मार दिए जाते हैं, तभी उन कलाकारों को महान कहा जाता है या लोगों का प्यार मिलता है। उसके बाद ही उनके काम की सराहना की जाती है क्योंकि एक तो वो जिंदा नहीं है, दूसरा आपका कॉम्पीटिशन नहीं है, और तीसरा मरे हुए इंसान को सम्मान देना इंसानों का स्वभाव है।

उन्होंने आगे कहा कि ये दुनिया एक फिल्मी सेट की तरह है और हर कोई अपना किरदार निभा रहा है। जब तक कलाकार जिंदा है, उसे कोई नहीं पूछता, उसे मारने की धमकी दी जाती है, परेशान किया जाता है क्योंकि जो वह कर रहे हैं, वो समाज को बर्दाश्त नहीं हो पाता, और मरने के बाद कहते हैं, वाह, क्या गाना था। इसके अलावा, उन्होंने अपनी फिल्म चमकीला को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दिलजीत यहां वेलिडेशन के लिए नहीं आया है, बल्कि चमकीला के लिए आया है। अपने फिल्म से जुड़े अनुभवों पर सिंगर ने कहा कि फिल्म में एक शॉट है। यह शॉट मैंने इसलिए किया क्योंकि कोई दूसरा कलाकार इसे समय पर नहीं कर सकता था। मुझे शॉट देखकर कहा कि चमकीला मुझे कहीं से देख रहा है और वो सीन देखकर मैं भावुक हो उठा। मेरे लिए ये करना आसान नहीं था।

बॉलीवुड में काम न मिलने पर शहनाज गिल ने उठाया यह कदम

मुझे शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया

एक्ट्रेस और सिंगर शहनाज गिल बिग बॉस 19 में आने के बाद काफी मशहूर हुईं। पूरे देश मे मशहूर होने के बाद शहनाज गिल फिल्म किसी का भाई किसी की जान और थैंक यू फॉर कमिंग में नजर आईं। हालांकि उन्हें उतनी कामयाबी नहीं मिली जितनी उम्मीद की जा रही थी। ऐसे में उन्होंने पंजाबी फिल्म इक कुड़ी की निर्माता बनने का सोचा। अब उन्होंने हिंदी और पंजाबी सिनेमा के बारे में कई बातें कही हैं।

शहनाज ने खुद पर लगाया पैसा

शहनाज गिल हाल ही में बिग बॉस 19 में नजर आईं। उन्होंने सलमान खान से कहा मेरे ऊपर कोई पैसा नहीं लगा रहा, तो मैंने खुद पर लगा दिया। अब उन्होंने फरीदून शहरयार से बातचीत में बताया है कि उन्होंने अपने प्रोजेक्ट में पैसा क्यों लगाया है? बातचीत में शहनाज गिल ने कहा मुझे अच्छी स्टोरीज नहीं मिल रही हैं। मुझे फिल्मों में शो पीस की तरह इस्तेमाल किया गया। मुझे एक ही तरह की कहानियां मिल रही थीं, जिनमें कुछ भी नया नहीं था और कोई अच्छा संदेश भी नहीं था। ऐसे में मैंने सोचा कि खुद पर पैसा लगाना सही रहेगा।

शहनाज ने की पंजाबी सिनेमा की तारीफ

शहनाज गिल ने आगे बताया कि पिछले पांच वर्षों से उन्हें पंजाबी फिल्मों के ऑफर आ रहे थे। हालांकि वह अच्छी फिल्म के इंतजार में थीं। कुछ ऐसा जिससे पंजाबी फिल्म में उनकी वापसी अच्छी तरह से हो सके। पंजाबी फिल्मों में काम करने पर शहनाज ने कहा कई लोग मुझसे कहते हैं कि मैंने पंजाबी फिल्मों में वक्त बर्बाद

शहनाज गिल का काम

शहनाज गिल को आखिरी बार पंजाबी फिल्म इक कुड़ी में देखा गया। वह इस फिल्म की निर्माता भी हैं। इसके निर्देशक अमरजीत सिंह सरोन हैं। बॉलीवुड में वह आखिरी बार राजकुमार राव और तृप्ति डिमरी की फिल्म विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में नजर आईं। इसमें उन्होंने सजना वे सजना गाने पर शानदार डांस किया।

तमिल, तेलुगु और हिंदी फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है

अभिनेत्री राशी खन्ना इन दिनों फिल्म '120 बहादुर' में नजर आ रही हैं। इसी दौरान उन्होंने खास बातचीत में अपने करियर और निजी जिंदगी से जुड़ी कई बातों पर खुलकर चर्चा की।

क्या आपको कभी लगा कि इंडस्ट्री में आपको टाइपकास्ट किया जा रहा है?

जब मैं नई-नई आई थी तो मुझे लगता था कि शायद मुझे कमर्शियल फिल्मों में टाइपकास्ट कर दिया जाएगा। मुझे लगा कि मुझे सिर्फ ऐसे ही रोल मिलेंगे। कमर्शियल फिल्में मुझे पसंद हैं, लेकिन मैं स्ट्रॉन्ग कैरेक्टर्स करना चाहती थी। फिर थोली प्रेमा (2018) रिलीज हुई और उसने मेरी ट्रैजेक्टरी बदल दी। उसके बाद फर्जी आई और लोगों ने पहली बार मुझे डी-ग्लैम और अलग रोल में देखा। हिंदी में मुझे बेहतर रोल मिलने लगे और अब तक मुझे हिंदी इंडस्ट्री में टाइपकास्ट नहीं किया गया है। अगर कभी ऐसा हुआ तो मैं खुद कहूंगी कि मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं। मैं कोशिश करूंगी कि खुद स्टीरियोटाइप को तोड़ सकूं।

तमिल, तेलुगु और हिंदी इंडस्ट्री में क्या खास या अलग लगा?

तीनों इंडस्ट्रीज में पैशन एक जैसा है। सब अच्छी फिल्में बनाना चाहते हैं। फर्क सिर्फ भाषा और कल्चर का है। तमिल इंडस्ट्री में बहुत डिसिप्लिन है। तेलुगु इंडस्ट्री में मुझे सबसे ज्यादा सपोर्ट मिला क्योंकि वहां ऑडियंस आपके ऊपर विश्वास करती है। हिंदी इंडस्ट्री में ओपननेस है और एक्सपेरिमेंट की आजादी है। तीनों इंडस्ट्रीज ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है और मुझे ग्राउंडेड रखा है।

कमर्शियल और कंटेंट-ड्रिवन सिनेमा का बैलेंस कैसे रखती हैं?

बैलेंस उतना मुश्किल नहीं है जितना लोग सोचते हैं। इसके लिए आपको खुद ओपन रहना पड़ता है। मैं मेकर्स को खुद बोलती हूँ कि मुझे ऑडिशन करने दें, ताकि मुझे कंटेंट वाली फिल्में भी मिलें। लेकिन मैं कमर्शियल सिनेमा की पकड़ भी नहीं छोड़ती क्योंकि मुझे दोनों पसंद हैं। ये बैलेंस आपको खुद ही बनाए रखना पड़ता है।

क्या कोई ऐसा ड्रीम रोल है जिसे निभाने की आपकी बहुत इच्छा है, लेकिन अभी तक मौका नहीं मिला?

मुझे लगता है कि मैंने अभी शुरुआत ही की है। मेरे कई ड्रीम रोल्स हैं। मुझे एक्शन फिल्म करनी है, पीरियड फिल्म करनी है और अगर दोनों साथ मिल जाएं तो बहुत अच्छा होगा। मुझे हिंदी में रोमैंटिक कॉमेडी और साइकोलॉजिकल थ्रिलर भी करना है।

आपकी पढ़ाई आपकी एक्टिंग या स्क्रिप्ट एनालिसिस के तरीकों को प्रभावित करती है?

मेरी पढ़ाई ने मेरी एक्टिंग में बहुत मदद की है। मैं हर किरदार को केस स्टडी की तरह पढ़ती हूं। मैं उसका पास्ट, फियर्स और कोपिंग मैकेनिज्म खोजती हूं। मैं सिर्फ ये नहीं देखती कि किरदार क्या बोल रहा है। मैं समझने की कोशिश करती हूं कि वो ऐसा क्यों बोल रहा है। इंग्लिश ऑनर्स ने मुझे सही सवाल पूछना सिखाया और यही ट्रेनिंग फिल्मों में काम आती है। मैं अपने किरदारों को कभी जज नहीं करती। मैं उन्हें समझती हूं।

आने वाले कुछ वर्षों में आप अपने करियर को किस दिशा में देखती हैं?

पहले मैं अपने करियर के बारे में बहुत नहीं सोचती थी। मैं बस मेहनत करती थी। लेकिन अब मैं कॉन्शस डिसीजन लेती हूं। आने वाले समय में मैं अपने काम में मेच्योरिटी और डेप्थ लाना चाहती हूं। मैं ऐसे किरदार करना चाहती हूँ जो लेयर्ड, फ्लॉड और कॉम्प्लेक्स हों। मेरा लक्ष्य है कि मेरा कलाकार हमेशा ज़िंदा रहे।

फर्जी 2' में क्या नया एक्सप्लोर कर रही हैं?

अभी तक मुझे स्क्रिप्ट हाथ में नहीं मिली है। इसलिए सच बताऊं तो मुझे नहीं पता कि मेरा किरदार किस दिशा में जा रहा है। जैसे ही स्क्रिप्ट मिलेगी, मैं डायरेक्टर्स के साथ बैठकर समझूंगी कि आगे कैसे बढ़ना है।

तलाखों में एक' में बंगाली किरदार की तैयारी कैसे की?

इस फिल्म के डायरेक्टर बंगाली हैं। फिल्म पूरी बंगाली में नहीं है, लेकिन कुछ लाइन्स बंगाली में हैं। उन्होंने मुझे समझाया कि बंगाली लड़कियाँ कैसी होती हैं और उनकी सोच कितनी इंडिपेंडेंट होती है। उस इंडिपेंडेंस को मेरे किरदार में दिखाया गया है। उनके पहनावे से लेकर थॉट प्रोसेस तक सब पर काम किया गया। मुझे लगता है कि यह फिल्म मेरे करियर में अहम साबित होगी।

'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण के साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

यह पहली फिल्म थी जिसे मैंने स्क्रिप्ट पढ़े बिना साइन किया। मेरा सपना था कि मैं पवन कल्याण जी के साथ काम करूं। पहले दिन जब वो आए तो उनकी प्रेज़ेंस बहुत पावरफुल थी। मुझे थोड़ा इंटरमिडेट महसूस हुआ, जो मेरे साथ कभी नहीं होता। लेकिन जब बातचीत शुरू हुई तो समझ आया कि वो बहुत हंबल हैं और लोगों के बारे में सोचते हैं। उन्हें रीडिंग का शौक है और हम किताबों पर भी चर्चा करते रहे। वो अपने स्टारडम को जिम्मेदारी की तरह लेते हैं। उनसे मिलना मेरे लिए एक खास अनुभव रहा।

10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद टॉप पर, यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला

-दिल्ली के स्मॉग के लिए ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर जनरेशन मुख्य कारण

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-एनसीआर में नवंबर सबसे प्रदूषित महीना रहा। इस दौरान भारत के टॉप 10 सबसे प्रदूषित शहरों में गाजियाबाद इस सूची में सबसे ऊपर रहा, जबकि राजधानी दिल्ली चौथे नंबर पर आई। एक रिपोर्ट के मुताबिक हरियाणा के बहादुरगढ़ को छोड़ दें तो टॉप 10 शहरों में से किसी में भी एक दिन भी हवा साफ नहीं रही। यह प्रदूषण पूरे एनसीआर में फैला है और एक शहर का प्रदूषण दूसरे शहरों की हवा को भी खराब कर रहा है।

दिल्ली में नवंबर में पीएम2.5 का औसत स्तर 215 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटररहा, जो अक्टूबर के मुकाबले दोगुना था। अक्टूबर में यह स्तर 107 था। दिल्ली में 23 दिन हवा बहुत खराब श्रेणी में रही और 6 दिन गंभीर श्रेणी में। इससे पता चलता है कि सर्दियों में स्मॉग यानी धुएं और कोहरे का मिश्रण कितना खतरनाक हो जाता है। गाजियाबाद में नवंबर में पीएम2.5 का औसत स्तर 224 दर्ज किया गया, जो राष्ट्रीय सुरक्षित सीमा से तीन गुना से भी ज्यादा है। गाजियाबाद में 19 दिन हवा बहुत खराब और

10 दिन गंभीर रही। इस लिस्ट में नोएडा, ग्रेटर नोएडा, बहादुरगढ़, हापुड़, बागपत, सोनीपत, मेरठ और रोहतक जैसे शहर भी शामिल थे। इस तरह एनसीआर देश का सबसे प्रदूषित इलाका बन गया। यूपी के 6 शहर टॉप 10 में थे, हरियाणा के 3 और दिल्ली का 1 शहर।

एनालिस्ट मनोज कुमार ने कहा कि पराली जलाने का असर काफी कम होने के बावजूद, एनसीआर के 29 शहरों में से 20 में पिछले साल से ज़्यादा प्रदूषण रहा। कई शहरों में तो एक दिन भी हवा राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक मानकों के अंदर नहीं रही। इससे साफ पता चलता है कि प्रदूषण के मुख्य कारण साल भर रहने वाले स्रोत हैं, जैसे कि गाड़ियां, इंडस्ट्री, पावर प्लांट और दूसरी तरह के जलने वाले स्रोत। अगर इन क्षेत्रों में प्रदूषण कम नहीं किया गया, तो शहर लगातार मानकों को तोड़ते रहेंगे।

यह बात गौर करने वाली है कि इस नवंबर में दिल्ली के प्रदूषण में पराली जलाने का योगदान काफी कम रहा। पिछले साल जहां यह 20फीसदी था, वहीं इस साल यह औसतन 7फीसदी रहा। सबसे ज्यादा योगदान भी 38फीसदी से घटकर 22फीसदी हो गया। इससे यह संकेत मिलता है कि अब दिल्ली के स्मॉग के लिए स्थानीय, साल भर रहने वाले स्रोत जैसे कि ट्रांसपोर्ट, इंडस्ट्री और पावर जनरेशन मुख्य कारण बन गए हैं।

मस्जिद का शिलान्यास राजनीतिक दल के समर्थन के बिना संभव नहीं : शत्रुघ्न सिन्हा

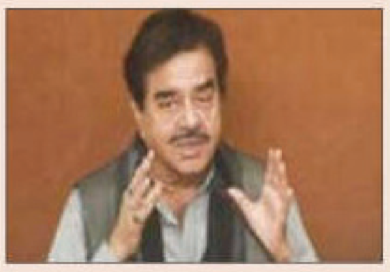

कोलकाता (एजेंसी)। तृणमूल कांग्रेस के सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा है कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले मुर्शिदाबाद जिले में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद के शिलान्यास से राजनीतिक हताशा की बू आ रही है। शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा कि 6 दिसंबर को 'सद्भावना दिवस' के रूप में मनाया जाता है और इस दिन सच्ची सद्भावना और अच्छा माहौल होना चाहिए। अपने निर्वाचन क्षेत्र आसनसोल में सिन्हा ने कहा कि बंगाल में आज के दिन अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली मस्जिद का शिलान्यास और टीएमसी से निलंबित विधायक हुमायूं कबीर द्वारा लोगों को इकट्ठा करना, राजनीतिक हताशा का परिणाम है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि यह कुछ लोगों की राजनीतिक चाल या राजनीतिक हताशा है और किसी विशेष राजनीतिक दल के समर्थन के बिना यह संभव नहीं है। टीएमसी ने अपने भरतपुर विधायक हुमायूं कबीर को निलंबित कर दिया है, जिन्होंने शनिवार को पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजिनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद की तर्ज पर बनने वाली एक मस्जिद की आधारशिला रखी, जिससे राज्य में राजनीतिक तापमान बढ़ गया है, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। सिन्हा ने कहा कि मंदिर-मस्जिद का मुद्दा राजनीतिक लाभ लेने के लिए उठाया जा रहा है।

डिग्री योग्यता का प्रमाण नहीं : सुप्रीम कोर्ट

नईदिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने अपने एक फैसले में कहा है। किसी उम्मीदवार को केवल डिग्री के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है। यदि आवश्यक मुख्य विषय की पढ़ाई उसने की है। ऐसी स्थिति में उसे अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने एम काम की शिक्षा पास एक उम्मीदवार की नियुक्ति बहाल की है। जिसे मॉनिटरिंग एंड इवैल्यूएशन कंसल्टेंट के पद से इसलिए हटा दिया गया था। उसके पास पीजी की सांख्यिकी विषय की डिग्री नहीं थी। उसने एम काम में बिजनेस स्टैटिसटिक्स और इंडियन इकोनॉमिक स्टैटिसटिक्स मुख्य विषय के रूप में पढे थे। कोर्ट ने कहा डिग्री के नाम पर जोर देना, असल पढ़ाई को नजर अंदाज कर देना है। सुप्रीम कोर्ट ने सांख्यिकी की डिग्री नहीं होने के बाद भी उसकी नियुक्ति को सही ठहराया।

उड़ीसा में पांचवीं छात्रा ने की आत्महत्या

भुवनेश्वर(एजेंसी)। उड़ीसा में अभी तक पांच छात्राओं ने आत्महत्या करके अपने जीवन को समाप्त किया है। हाल ही में सुंदरगढ़ जिले में स्नातक कोर्स के दूसरे वर्ष की पढ़ाई करने वाली एक छात्रा ने आत्मदाह कर लिया है। यह छात्रा 90 फ़ीसदी जल गई। अभी उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। पिछले 6 माह में उड़ीसा राज्य में यह पांचवीं घटना है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में एक 25 साल के युवा को गिरफ्तार किया है। जो उसे परेशान कर रहा था। घटना शुक्रवार की रात को तब घटी, जब परिवार के सदस्य सो रहे थे। छात्रा ने आग लगाकर आत्म हत्या करने का प्रयास किया। अभी अस्पताल में इलाज चल रहा है। 90 फ़ीसदी जलने के कारण उसके बचने की कोई उम्मीद नहीं है।

एसआईआर कार्य में लगे बीएलओ की ब्रेन हेमरेज से मौत, कॉलेज में थे शिक्षक

गाजियाबाद (एजेंसी)। गाजियाबाद में मतदाता सूची के एसआईआर अभियान के लिए बीएलओ के रूप में तैनात एक जीव विज्ञान शिक्षक की मोदीनगर के नेहरू नगर स्थित उनके आवास पर कथित तौर पर ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट में अधिकारियों ने बताया कि मोदी विज्ञान एवं वाणिज्य इंटर कॉलेज के शिक्षक लाल मोहन सिंह (58) को साहिबाबाद विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर की ड्यूटी पर लगाया गया था। कॉलेज के प्रधानाचार्य ने बताया कि लालमोहन सिंह अस्वस्थ थे और घर-घर जाकर सत्यापन कार्य के कारण काफी दबाव में थे। उन्होंने कहा कि प्रशासन ने चेतावनी दी थी कि यह काम किसी भी कीमत पर पूरा किया जाना चाहिए। वह तनाव में काम कर रहे थे। मोदीनगर के एसीपी ने कहा कि एसडीएम मोदीनगर ने सूचित किया कि लाल मोहन सिंह की शुक्रवार रात ब्रेन हेमरेज से मौत हो गई। एसडीएम घटना के बाद के प्रशासनिक पहलुओं की जांच कर रहे हैं।

फिर बिगड़ी आजम खान की तबीयत, जांच कराने से किया इनकार, बैरंग लौटे डॉक्टर

रामपुर (एजेंसी)। जेल में बंद चल रहे सपा के वरिष्ठ नेता आजम खान की तबीयत बिगड़ गई है। जब दो डॉक्टर उपचार करने के लिए जेल अस्पताल पहुंचे तो आजम खान ने जांच करवाने से इनकार कर दिया। इसके बाद जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। आजम खान ने इससे पहले परिवार वालों से मिलने से भी मना कर दिया था। उन्हें दो पैन कार्ड मामले में सात साल की सजा हुई है, वहीं उनके बेटे अब्दुल्ला को दो पासपोर्ट मामले में सात साल की सजा मिली है। इस मामले में जेल प्रशासन की तरफ से कोई बयान नहीं आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक शनिवार को जिला अस्पताल से जनरल फिजीशियन डॉ हसीब और सर्जन डॉ आरिफ रसूल आजम खान का स्वास्थ्य परीक्षण करने जिला कारागार पहुंचे थे, लेकिन आजम ने जांच कराने से साफ इनकार कर दिया। इस वजह से दोनों डॉक्टरों को खाली हाथ लौटना पड़ा। एक दिन पहले नेत्र सर्जन ने उनकी आंखों की जांच की थी। जेल प्रशासन आजम खान की सेहत को लेकर चिंतित है और उन्हें लगातार दवाइयां दी जा रही हैं। जेल जाने से पहले भी आजम खां की तबीयत ठीक नहीं थी और वे दिल्ली अस्पताल में इलाज करा चुके हैं। दूसरी तरफ भारतीय सेना पर विवादित बयान देने के आठ साल पुराने मामले में शनिवार को एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में बहस पूरी हो गई है। कोर्ट ने इस मामले में 11 दिसंबर को फैसला सुनाएगी। यह मामला 2017 का है, जब आजम खान पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में सेना के खिलाफ विवादित बयान देने का आरोप लगा था। बीजेपी विधायक आकाश सक्सेना ने उनके खिलाफ केस दर्ज कराया था।

अब कांग्रेस को बाय-बाय करेंगे सिद्धू बोले- पंजाब में सीएम पद को लेकर भारी घमासान

चंडीगढ़, । पंजाब कांग्रेस की आतंरिक कलह अब सड़क पर आ गई है। कांग्रेस नेता नवजोत कौर सिद्धू ने पंजाब कांग्रेस के भीतर चल रहे गहरे आंतरिक मतभेदों को खुलकर सामने ला दिया है। उन्होंने दावा किया है कि पार्टी के भीतर ही पांच नेता मुख्यमंत्री पद की दौड़ में हैं और वे अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने नवजोत सिंह सिद्धू की पार्टी में वर्तमान स्थिति और भविष्य को लेकर चौंकाने वाले बयान दिए हैं। नवजोत कौर सिद्धू ने चंडीगढ़ में पंजाब के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया से अपनी मुलाकात के बारे में भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तथाकथित वीवीआईपी ने शिवालिक रेंज में बड़े पैमाने पर जमीन पर कब्जा कर लिया है। उन्होंने कहा कि सुनने में आया है कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इसे वैध बनाने जा रहे हैं, जो वह नहीं कर सकते, क्योंकि यह जमीन सरकार की है।

उनका दूसरा मुद्दा कानून व्यवस्था से संबंधित था, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से बर्बाद हो चुकी है। तीसरा मुद्दा पंजाब यूनिवर्सिटी से संबंधित था। उनका चौथा बिंदु यह था कि नए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन का नाम गुरु तेग बहादुर जी के नाम पर रखा जाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया, पांच नेता पहले से ही मुख्यमंत्री की दौड़ में हैं, जो अपनी ही पार्टी के खिलाफ काम कर रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी पंजाब कांग्रेस में प्रमुख नेताओं के बीच चल रहे सत्ता संघर्ष और गुटबाजी को उजागर करती है।उन्होंने कहा कि नवजोत सिद्धू भावनात्मक रूप से कांग्रेस और प्रियंका गांधी से जुड़े हुए हैं, लेकिन भारी गुटबाजी के कारण उन्हें कोई भूमिका नहीं मिलेगी। उन्होंने सिद्धू के भविष्य पर टिप्पणी करते हुए कहा, अगर कोई पार्टी हमें कोई भूमिका देती है, तो हम पंजाब को फिर से सोना बना सकते हैं। अगर कांग्रेस उन्हें मुख्यमंत्री बनाती है तो वह वापस लौट आएंगे। अन्यथा वह जीवन में खुश हैं।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग का बिहार में तांडव: फार्म हाउस में तोड़-फोड़, लूट और आगजनी, चार गिरफ्तार

पटना (एजेंसी)। बिहार के पश्चिम चंपारण जिले में कुख्यात लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने एक बार फिर खौफ फैलाया है। बेतिया के मैनाटांड़ थाना क्षेत्र स्थित चिउटाहा गांव में गैंग के शातिर सदस्य शशांक पांडेय ने अपने साथियों के साथ मिलकर शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे किसान जिशान जुल्फेकार के फार्म हाउस पर हमला बोल दिया। लगभग दो सौ की संख्या में हथियारों से लैस गुंडों ने चहारदीवारी तोड़ दी, मवेशी और रखा हुआ धान-गेहूं लूट लिया तथा पूरे फार्म हाउस को आग के हवाले कर दिया। पीड़ित जिशान जुल्फेकार ने दर्ज कराई एफआईआर में बताया कि शशांक पांडेय ने पिस्टल कनपटी पर सटाकर जान से मारने की धमकी दी और रंगदारी के रूप में पूरा फार्म हाउस अपने नाम करने को कहा। जब पड़ोस में रहने वाली सहबुन खातून ने विरोध किया तो शशांक ने उसकी कनपटी पर पिस्टल टिका दी और साथी अविनाश मिश्रा ने रॉड से हमला कर उसे गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। हमलावरों ने सहबुन के घर से आभूषण और नकदी सहित कीमती सामान भी लूट लिया। सूचना मिलते ही नरकटियागंज एसडीएम सूर्यप्रकाश गुप्ता, एसडीपीओ जयप्रकाश सिंह, इंस्पेक्टर राजीव कुमार, थानाध्यक्ष शंभू शरण गुप्ता सहित भारी पुलिस बल और एसएसबी के जवान मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी शशांक पांडेय, अविनाश मिश्रा, हरिराज मांझी और रघु मांझी को मौके से गिरफ्तार कर लिया। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। इलाके में तनाव को देखते हुए गांव में पुलिस ने कैंप कर रखा है। एफआईआर में शशांक पांडेय सहित कुल 16 लोग नामजद किए गए हैं, जिनमें दीपेंद्र कुमार, दीपक कुमार, धीरेंद्र मांझी, महंत मांझी, बली राम पटेल, सकलो मांझी, राधिका देवी, विजय साह आदि शामिल हैं। पुलिस का दावा है कि बाकी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है।

हुमायूं पर भड़की ममता कहा- सांप्रदायिक नफरत भड़काने वालों के खिलाफ जारी रहेगी लड़ाई

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में बाबरी मस्जिद के शिलान्यास ने प्रदेश की राजनीति को तेज कर दिया है। इसकी शुरुआत टीएमसी के निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने बाबरी मस्जिद की नींव रखकर शुरुआत कर दी। इस पर राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने साफ शब्दों में कहा है कि सांप्रदायिक माहौल खराब करने वालों के खिलाफ लड़ाई जारी रहेगी। इसी खींचतान के बीच शनिवार 6 दिसंबर को संहति दिवस के मौके पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बंगाल की सदियों पुरानी सह-अस्तित्व की परंपरा को रेखांकित किया और एकता और सद्भाव की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया साइट एक्स पर पोस्ट करते हुए याद दिलाया कि बंगाल की पहचान अनेकतावाद में निहित है। बनर्जी ने लिखा, मैं संहति दिवस/संप्रीति दिवस पर सभी को हार्दिक बधाई देती हूँ। बंगाल एकता की धरती है, टैगोर, नज़रुल, रामकृष्ण और विवेकानंद की धरती है। यह मिट्टी कभी भी विभाजनकारी ताकतों के सामने नहीं झुकी है और न कभी झुकेगी।

गौरतलब है कि तृणमूल कांग्रेस छह दिसंबर को बाबरी मस्जीद गिराए जाने की याद में संहति दिवस मनाती है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि राज्य में हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई, जैन और बौद्ध हमेशा कंधे से कंधा मिलाकर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम अपनी खुशियाँ साझा करते हैं क्योंकि हमारा मानना है कि धर्म व्यक्तिगत है, लेकिन त्योहार सभी के लिए हैं। सांप्रदायिक नफरत की आग भड़काने और देश को नष्ट करने वालों के खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। आइए, हम सब शांति और सद्भाव बनाए रखें।मुख्यमंत्री का यह संदेश ऐसे समय में आया जब पार्टी के निष्कासित विधायक हुमायूँ कबीर मुर्शिदाबाद के बेलडांगा में बाबरी मस्जिद की शैली में एक मस्जिद की आधारशिला रख रहे थे। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि इस कदम का उद्देश्य मालदा और मुर्शिदाबाद जैसे अल्पसंख्यक-बहुल जिलों में अल्पसंख्यक वोट बैंक को मजबूत करना है। इस घटनाक्रम से राज्य में राजनीतिक माहौल गर्म हो गया है भाजपा के समर्थक और तृणमूल कांग्रेस के समर्थक एक दूसरे के आमने सामने आकर खड़े हो गये हैं। दोनों पक्षों के इस रूख से राज्य के पहले से तनावपूर्ण सांप्रदायिक परिस्थितियों में तनाव और गहरा हो गया है।

भाजपा समर्थक संगठन भी अपनी शक्ति प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। रविवार को कोलकाता के ब्रिगेड परेड ग्राउंड में एक विशाल धार्मिक समागम आयोजित किया जा रहा है, जहाँ लगभग पाँच लाख लोगों के एकजुट होकर भगवद्गीता का पाठ करने की उम्मीद है। विशेषज्ञ इस कार्यक्रम को आगामी विधानसभा चुनावों के पहले हिंदू मतदाताओं को मजबूत करने के लिए एक बड़े प्रयास के रूप में देख रहे हैं। पंच लक्ष कंठे गीतापाठ (पाँच लाख कंठों से गीता पाठ) नामक यह कार्यक्रम विभिन्न धार्मिक संगठनों की एक छत्र संस्था सनातन संस्कृति संसद द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस सामूहिक पाठ को बंगाल में अब तक का सबसे बड़ा सामूहिक पाठ बताया जा रहा है।

आयोजकों ने बताया कि योग गुरु बाबा रामदेव, बागेश्वर धाम के धीरेंद्र शास्त्री और पद्म भूषण से सम्मानित साध्वी ऋतंभरा मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेने वाले हैं। बंगाल के

राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी इस कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की है। आयोजकों ने हालांकि इस कार्यक्रम को विशुद्ध रूप से धार्मिक पहल बताया है, लेकिन भाजपा की प्रमुख हस्तियों की भागीदारी ने इसके राजनीतिक उद्देश्य के बारे में अटकलों को जन्म दिया है। सूत्रों ने पुष्टि की कि भाजपा अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य और विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी जैसे वरिष्ठ नेताओं के इस आयोजन में शामिल होने की संभावना है।बाबरी मस्जिद की आधारशिला रखे जाने और भाजपा के व्यापक गीता पाठ कार्यक्रम दोनों के लगभग साथ-साथ होने से बंगाल का राजनीतिक संघर्ष तीव्र हो गया है और प्रत्येक खेमा अपने मूल मतदाताओं को सक्रिय करने के लिए धार्मिक प्रतीकों का उपयोग कर रहा है, क्योंकि जल्द ही राज्य में चुनाव होने वाले हैं।

कब तक भारत में शरण लेकर रहेंगी शेख हसीना, जयशंकर ने कहा... वे जब तक चाहें रह सकती

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने पूर्व बांग्लादेशी प्रधानमंत्री शेख हसीना के भारत में ठहरने को उनकी निजी पसंद बताया। उन्होंने कहा कि इसका निर्णय उन परिस्थितियों से जुड़ा है जिनके चलते वे भारत आईं। 78 वर्षीय शेख हसीना बीते साल अगस्त में भारत आई थीं, जब बांग्लादेश में उनकी 15 साल की सत्ता का अंत हिंसा के बीच हुआ था। एक कार्यक्रम में विदेश मंत्री जयशंकर ने शेख हसीना के भारत में लंबे समय तक रहने और भारत-बांग्लादेश संबंधों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि शेख हसीना का भारत में रहना मूलतः उनका व्यक्तिगत फैसला है, लेकिन जिन परिस्थितियों में वे सत्ता छोड़कर भारत आईं वे इस फैसले के पीछे महत्वपूर्ण कारक हैं। लेकिन फिर भी, अंतिम फैसला उन्हें ही करना है।

विदेश मंत्री ने कहा कि भारत ने शेख हसीना को आश्वासन दिया है कि वह जब तक चाहें, भारत में रह सकती हैं। भारत सरकार ने पहले भी कई बार कहा है कि मानवीय आधार पर हसीना को शरण दी गई है और उनकी सुरक्षा तथा सुविधा का पूरा ध्यान हमारी सरकार रख रही है।

भारत-बांग्लादेश संबंधों के संदर्भ में जयशंकर ने पड़ोसी देश में लोकतंत्र की मजबूती पर बल दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान अंतरिम सरकार के नेताओं ने खुद माना था कि उनका मुख्य विरोध पिछले चुनावों (जनवरी 2024) के तरीके से था। विदेश मंत्री ने दोनों देशों के रिश्तों को लेकर आशा जाहिर की है। उन्होंने कहा कि भारत की शुभकामना है कि बांग्लादेश तरक्की करे। एक लोकतांत्रिक देश के रूप में हम चाहते हैं कि पड़ोसी देश में भी जनता की इच्छा का सम्मान लोकतांत्रिक प्रक्रिया से किया जाए। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जो भी परिणाम आएगा, उसमें भारत-बांग्लादेश संबंधों को लेकर संतुलित और परिपक्व दृष्टिकोण होगा और उम्मीद है कि रिश्ते और बेहतर होने है। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने कई बार हसीना के प्रत्यर्पण की मांग की है, लेकिन भारत ने अब तक इस पर कोई सकारात्मक जवाब नहीं दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत हसीना को प्रत्यर्पित करने के बजाय बांग्लादेश में स्थिर और भारत-अनुकूल सरकार की वापसी की प्रतीक्षा कर रहा है। फिलहाल, शेख हसीना का भारत में रहना और दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध अगले कुछ महीनों में होने वाले संभावित चुनावों पर काफी हद तक निर्भर करेगा।

बाबरी मस्जिद का शिलान्यास नया विवाद, बाबा रामदेव ने कहा - बाबर का महिमामंडन करने वाले देश के गद्दार

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में तृणमूल कांग्रेस से निलंबित विधायक हुमायूँ कबीर ने 6 दिसंबर को एक नई बाबरी मस्जिद का शिलान्यास करके पूरे देश में तीखी बहस छेड़ दी है। यह वही तारीख है जब 1992 में अयोध्या की विवादित बाबरी ढांचा कारसेवकों ने ढहा दिया था। जानबूझकर इसी तारीख का चयन करने को कई लोग उकसावे की कार्रवाई मान रहे हैं, जबकि हुमायूँ कबीर इसे अपना संवैधानिक अधिकार बता रहे हैं।

इस घटना पर सबसे तीखी प्रतिक्रिया योग गुरु बाबा रामदेव की आई। रामदेव ने बिना नाम लिए हुमायूँ कबीर और ऐसे सभी लोगों पर करारा हमला बोला जो बाबर का महिमामंडन करते हैं। उन्होंने कहा, ÷बाबर इस देश का नहीं था। जो लोग भी उसका गुणगान करते हैं, वे भारत के गद्दार हैं। 6 दिसंबर गुलामी के प्रतीकों को मिटाने का दिन है। भारत की जनता अब जाग गई है, वह किसी विदेशी आक्रमणकारी का महिमामंडन बर्दाश्त नहीं करेगी। रामदेव ने आगे कहा, यह देश महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी, चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह, राजगुरु, सनातन धर्म और भगवान शिव का है,

बाबर का नहीं। बाबर एक क्रूर विदेशी लुटेरा था। हम इस्लाम या मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं, क्योंकि बाबर न इस्लाम का सच्चा अनुयायी था और न ही वह मुसलमानों का प्रतिनिधि था। उसका नाम लेकर मस्जिद बनाना या उसकी तारीफ करना गलत है।

दूसरी ओर हुमायूँ कबीर ने अपने कदम का पुरजोर बचाव किया है। शिलान्यास समारोह में उन्होंने कहा, संविधान मुझे धार्मिक स्थल बनाने का पूरा अधिकार देता है। कोई मंदिर बना सकता है, कोई चर्च बना सकता है, तो मैं मस्जिद क्यों नहीं बना सकता? सुप्रीम कोर्ट ने भी माना कि बाबरी ढांचा हिंदू कारसेवकों ने गिराया था और हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान करते हुए वहाँ राम मंदिर बन रहा है। लेकिन संविधान मुझे भी मस्जिद बनाने की इजाजत देता है। इसमें असंवैधानिक कुछ नहीं है। कबीर ने दावा किया कि उनके खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन ये मामले मस्जिद के निर्माण को नहीं रोक पाएंगे। उन्होंने कहा, जिसे अल्लाह का साथ हो, उसे कोई नहीं रोक सकता। अदालतें भी कह चुकी हैं कि भारत में मस्जिद बनाने का संवैधानिक अधिकार है। उन्होंने बताया कि प्रस्तावित 'नई बाबरी मस्जिद'का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये है। मस्जिद के साथ-साथ एक बड़ा अस्पताल, अतिथि गृह और सभा भवन भी बनाया जाएगा। उनका कहना है कि यह परियोजना केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक सेवा का भी बड़ा केंद्र बनेगी। इस पूरे प्रकरण ने एक बार फिर देश में धार्मिक स्थलों, इतिहास और संवैधानिक अधिकारों को लेकर पुरानी बहस को हवा दे दी है। एक पक्ष इसे 6 दिसंबर की तारीख के साथ जानबूझकर किया गया उकसावा मान रहा है तो दूसरा पक्ष इसे मौलिक धार्मिक स्वतंत्रता का मामला बता रहा है। दोनों ओर से तीखी बयानबाजी के बीच पश्चिम बंगाल की सत्तारुढ़ तृणमूल कांग्रेस ने हुमायूँ कबीर को पहले ही पार्टी से निलंबित कर रखा है, जिससे यह संकेत देता है कि ममता बनर्जी की पार्टी इस विवाद से दूरी बनाए रखना चाहती है।

हाईकोर्ट की तीखी टिप्पणी कहा- भारत में है सबसे ज्यादा नस्ल और रंगभेद

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारतीय समाज दुनिया में सबसे ज्यादा नस्लवाद और रंगभेद करने वाले समाजों में से एक है। यह कर्नाटक हाईकोर्ट की तरफ से टिप्पणी शुक्रवार को की गई। कोर्ट ने कहा कि हम भारतीय भले ही कई बार दूसरों के ऊपर नस्लवाद और रंगभेद का आरोप लगाते हैं लेकिन असल में हम सबसे बड़े नस्लवादी और रंगभेदी हैं। जस्टिस अरुण ने भारत की गुलामी के लिए भी नस्लवादी और रंगभेदी सोच को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, कुछ हजार अंग्रेज ईस्ट इंडिया कंपनी के सुरक्षा कर्मियों ने हमें इसलिए गुलाम बना लिया था क्योंकि हमारे भीतर उस समय भारतीयता का कोई बोध नहीं था। 200 साल की गुलामी के बाद जैसे ही वह भाव आया, हमने अँग्रेजों को भगा दिया। अब प्राइवेट कंपनियों और कॉरपोरेट सेक्टर का नव-उपनिवेशवाद शुरु हो गया है। इसका कारण फिर वही है... क्योंकि हम फिर उसी पुरानी आदत पर लौट आए हैं... इंसान को इंसान के रूप में न देखना। जस्टिस अरुण ने राजनीतिक प्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि समाज के इसी रवैये की वजह से राजनीतिक पार्टियां भी इसके अनुसार ही नेताओं का चयन करती हैं। उन्होंने कहा, हम हर समुदाय को अलग प्रजाति की तरह देखते हैं और उसी के आधार पर भेदभाव करते हैं। इसी वजह से राजनीति में टिकट देने के समय भी पार्टियां उम्मीदवार की योग्यता से ज्यादा उसके समुदाय को महत्व देती हैं। हम कहते हैं की नेता भ्रष्ट हैं, लेकिन सच्चाई तो यह है कि लोकतंत्र में जनता को वही नेता मिलता है जिसके वह योग्य होते हैं।

एंकर सुधीर चौधरी बनाम कर्नाटक राज्य केस की सुनवाई करते हुए जस्टिस अरुण ने कहा कि हम भारतीयों की इसी मानसिकता की वजह से भारत में समुदाय आधारित राजनीति और तुष्टिकरण की नीतियां बहुत आम हैं। उन्होंने कहा, हम भारतीयों की... हमारे हर समुदाय की यही समस्या है कि हम नहीं समझते कि यहां केवल एक ही प्रजाति है, जिसे होमो सेपियंस कहते हैं। हम दुनिया की सबसे बड़े नस्लवादी समाजों में से एक हैं। हम दूसरे समाजों पर नस्लवाद और रंगभेद का आरोप लगाते हैं, लेकिन सच्चाई यही है कि हम भी किसी से कम नहीं है।

हाई कोर्ट की यह टिप्पणी न्यूज एंकर सुधीर चौधरी के केस में की, जिसमें उन्होंने 2023 में दर्ज किए गए एक हेट स्पीच केस को रद्द करने की मांग की थी। चौधरी पर आरोप था कि उन्होंने कर्नाटक सरकार की स्वावलंबी सारथी योजना पर झूठी और भड़काऊ रिपोर्ट चलाई है।जस्टिस अरुण ने पूछा कि क्या रिपोर्ट में सच में ऐसा कोई तथ्यात्मक झूठ था? क्या रिपोर्ट में यह था कि यह योजना केवल एक ही समुदाय को लाभ पहुंचाकर हिंदुओं को वंचित कर रही है। इस पर शिकायतकर्ता के वकील ने कहा कि शो में मुस्लिम समुदाय का दानवीकरण किया गया और उनके खिलाफ घृणा फैलाई गई। हालांकि, जस्टिस अरुण ने कहा कि राज्य

और शिकायतकर्ता यह साबित नहीं कर पाते कि रिपोर्ट में स्पष्ट झूठ कहा गया था तो चैनल और एंकर को राहत मिल सकती है।अंतरिम आदेश पारित करते हुए जस्टिस अरुण ने कहा कि भले ही प्रतिवादी इस बात का दावा कर रहे हों कि भड़काऊ सामग्री है, लेकिन वह इसे साबित करने में सक्षम नहीं है कि कौन सा तथ्य झूठ है। इस मामले की सुनवाई अब 13 जनवरी 2026 को होगी।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित,
मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com